छत्तीसगढ़

सहकारी समाचार

वर्ष- 21 अंक - 18 दिसंबर 2024 द्वितीय अंक (पाक्षिक) RNI NO. CHHHIN/2012/45105 पृष्ठ-12 मूल्य 500/- वार्षिक

छत्तीसगढ़ में 300 बहुउद्देशीय पैक्स, डेयरी व मत्स्य सहकारी समितियों का शुभारम्भ

सुशासन दिवस पर जगदलपुर में सहकारिता मंत्री केदार कश्यप ने समितियों को प्रदान किया पंजीयन प्रमाण पत्र

जगदलपुर। केन्द्र सरकार की सहकार से समृद्धि अभियान के तहत छत्तीसगढ़ में सहकारिता आंदोलन को मजबूत किया जा रहा है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में सहकारी समितियों में नई सुविधाएं बढ़ाने के साथ-साथ ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के लिए डेयरी, मत्स्य पालन के क्षेत्र में नई सहकारी समितियों के गठन को बढ़ावा दिया जा रहा है।

वन एवं सहकारिता मंत्री श्री केदार कश्यप ने 25 दिसम्बर को जगदलपुर में राज्य में गठित 300 से अधिक नवगठित बहुउद्देशीय पैक्स, डेयरी व मत्स्य सहकारी समितियों का शुभारम्भ किया। गौरतलब है कि भारत के गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह के द्वारा नई दिल्ली में आयोजित कार्यक्रम में देशभर के नवगठित 10 हजार से अधिक बहुउद्देशीय पैक्स, डेयरी एवं मत्स्य समितियों के शुभारंभ अवसर पर वन एवं सहकारिता मंत्री वर्चुअल रूप से जुड़े।

500 नये बहुउद्देशीय पैक्स गठन प्रक्रियाधीन

वन एवं सहकारिता मंत्री श्री केदार कश्यप ने कार्यक्रम में सुशासन दिवस पर देश के पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी को नमन करते हुए कहा कि, अभी प्रदेश में कार्यरत 2058 पैक्स तथा लैम्प्स द्वारा प्रदेश के कृषकों को कृषि ऋण तथा खाद-बीज एवं विभिन्न तरह की सेवाएं प्रदान की जा रही हैं। इन्हें और अधिक सक्षम बनाया जा रहा है। राज्य में 500 नये बहुउद्देशीय पैक्स के गठन की कार्यवाही प्रक्रियाधीन है।

57 नई दुग्ध समितियों का पंजीयन

उन्होंने कहा कि, राज्य में दुग्ध उत्पादक कृषकों की आय में वृद्धि के लिए एनडीडीबी के साथ राज्य दुग्ध संघ तथा राज्य सरकार के साथ त्रिपक्षीय एमओयू किया गया है। राज्य में 57 से अधिक नवीन दुग्ध समितियों का पंजीयन कर लिया गया है। राज्य के 113 वन-धन समितियों को भी प्राथमिक बहुउद्देशीय लघु वनोपज सहकारी समिति के रूप में पंजीकृत किया गया है। 169 नवीन मत्स्य समितियों का गठन किया गया है।

725 नए गोदाम बनाए जा रहे

सहकारिता मंत्री श्री कश्यप ने कहा कि, पिछले एक वर्ष में सहकारी बैंकों की 16 नवीन शाखाएं प्रारंभ किए गए हैं। पैक्स समितियों में 2058 माईक्रो एटीएम उपलब्ध कराया गया है। प्रदेश के 2014 पैक्स समितियों को कॉमन सर्विस सेन्टर की सुविधा, 25 पैक्स समितियों में प्रधानमंत्री जनऔषधि केन्द्र प्रारंभ किया गया है। उन्होंने कहा कि, छत्तीसगढ़ राज्य सहकारी बैंक तथा 6 जिला सहकारी केन्द्रीय बैंकों में 300 से अधिक पदों पर भर्ती की कार्यवाही पूर्ण कर ली गई है और अभ्यर्थियों को नियक्ति पत्र प्रदान किया गया है। राज्य के 2058 पैक्स में प्रधानमंत्री किसान समृद्धि केन्द्र स्थापित किया गया है, पूर्ण रूप से विकसित होने के उपरान्त इन केन्द्रों में कृषकों को मिटटी परीक्षण, मौसम पूर्वानुमान तथा कृषि तकनीक संबंधी जानकारियां प्राप्त हो सकेंगी। वहीं अन्न भण्डारण योजनांतर्गत 200 मेट्रिक टन क्षमता के 725 नवीन गोदामों का निर्माण किया जा रहा है, जिसमें से 625 गोदामों का निर्माण पूर्ण हो चुके हैं।

इस अवसर पर जिला पंचायत उपाध्यक्ष मनीराम कश्यप, पूर्व सांसद दिनेश कश्यप, पूर्व विधायक द्वय बैदूराम कश्यप एवं लच्छूराम कश्यप सहित अन्य जनप्रतिनिधि और कलेक्टर एवं प्राधिकृत अधिकारी जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक हरिस एस तथा प्रबंध संचालक एवं संयुक्त अपेक्स बैंक केएन कांडे, अपेक्स बैंक महाप्रबंधक युगल किशोर एवं बड़ी संख्या में सहकारी समितियों के पदाधिकारियों के अलावा सहकारी समितियों से जुड़े कृषक एवं नागरिक मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन छग राज्य सहकारी संघ के प्रशिक्षक विवेक पांडे ने किया।

ये कार्यक्रम भी संपन्न हुए

कार्यक्रम को सांसद बस्तर श्री महेश कश्यप ने भी सम्बोधित किया। इस मौके पर बस्तर अंचल के 10 नवीन सहकारी समितियों को पंजीयन प्रमाण पत्र, 25 किसानों को रुपे किसान क्रेडिट कार्ड तथा दुग्ध उत्पादक सहकारी समिति बड़े कापसी को माइक्रो एटीएम प्रदान किया गया। साथ ही प्रदेश के पहले ई-पैक्स समिति ओरछा सहित माइक्रो एटीएम से सर्वाधिक ट्रांजेक्शन करने वाले सहकारी समितियों मद्देढ़, केशरपाल एवं नारायणपुर सहित लोक सेवा केन्द्र के बेहतर संचालन के लिए पैक्स समितियों माढ़पाल, कांकेर, केरलापाल एवं बांसकोट को प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया।

किसानों को वितरित किया गया केसीसी कार्ड

राज्य स्तरीय सहकार से समृद्धि कार्यक्रम में आयुक्त कुलदीप शर्मा ने बांटे कार्ड

रायपुर। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह बुधवार को राज्य स्तरीय सहकार से समृद्धि कार्यक्रम के तहत नवीन गठित बहुउद्देश्यीय मतस्य एवं दुग्ध समितियो का वर्चुअल शुभारंभ किया गया। इस दौरान सहकारिता विभाग के आयुक्त सहकारिता एवं पंजीयक सहकारी संस्थाए छग श्री कुलदीप शर्मा ने किसानों को रुपे केसीसी कार्ड वितरित किया। साथ ही इस क्षेत्र मे उत्कृष्ट कार्य करने वाले कर्मचारियों को प्रशस्ति-पत्र देकर सम्मानित किया गया। वहीं दुग्ध समितियों को नवीन एटीम कार्ड का भी वितरण किया गया।

इस अवसर पर सहकारिता विभाग के संयुक्त आयुक्त श्री डी पी टावरी, उपायुक्त श्री एन के चंद्रवंशी, तथा जिला सहकारी केंद्रीय बैंक रायपुर की मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्रीमती अपेक्षा व्यास उपस्थित थी।

ड्रोन दीदियों का नैनो उर्वरक उपयोग पर प्रशिक्षण

रायपुर। इफ्को द्वारा छत्तीसगढ़ राज्य के पुरूष एवं महिला ड्रोन उद्यमियों (ड्रोन दीदी) के लिये दिनांक 14.12.2024 को नैनो उर्वरक उपयोग पर प्रशिक्षण कार्यक्रम समेति, इंदिरा गांधी कृषि विश्व विद्यालय, कृषक नगर परिसर, रायपुर में सम्पन्न हुआ।

कार्यक्रम के प्रारंभ में इफको के राज्य विपणन प्रबंधक, श्री आरकेएस राठौर द्वारा इफको के गतिविधियों एवं नैनो यूरिया एवं नैनो डीएपी के उपयोग के बारे में विस्तार से चर्चा करते हुये उनके उपयोग की जानकारी दी गई।

मुख्य अतिथि श्री शशिकांत द्विवेदी, इफको आमसभा प्रतिनिधि एवं प्रदेश संयोजक, सहकारिता प्रकोष्ठ भारतीय जनता पार्टी, द्वारा इफको नैनो यूरिया एवं नैनो डीएपी के उपयोग को बढ़ाने के बारे में चर्चा की तथा उनके द्वारा बताया गया कि प्रधानमंत्री जी द्वारा नैनो उर्वरकों के उपयोग को बढ़ाने के लिये महाअभियान चलाया जा रहा है जिससे कि कृषकगण अधिक से अधिक नैनो उर्वरकों का उपयोग कर सकें एवं रासायनिक उर्वरकों से मिट्टी को होने वाले नुकसान से बचा जा सकें ।

इससे समितियां कमा सकती हैं लाभ

विशेष अतिथि श्री विजय ठाकुर, इफ्को आमसभा प्रतिनिधि द्वारा भी नैनो उर्वरकों एवं इफको के अन्य उत्पादों सागरिका के बारे में उन्होंने कहा कि, स्वयं मैं भी इस उत्पाद का विक्रय करता हूं व इसका उपयोग भी कर रहा हूं। उन्होंने आशा व्यक्त की कि, इसके विक्रय सहकारी समितियों द्वारा अधिक लाभ अर्जित करने का मार्ग बताया। डॉ एसके सिंह, उप-महाप्रबंधक, (कृ.से.) इफको, द्वारा कार्यक्रम का संचालन किया गया एवं इफको एनपीके कंसोर्टिया एवं बायो डी-कम्पोजर के बारे में चर्चा की तथा उनके उपयोग से खेती में लागत कम करने एवं भूमि, पर्यावरण तथा जल प्रदूषण कम करने की बात बतायी गई।

120 प्रतिभागियों की रही उपस्थिति

उक्त प्रशिक्षण कार्यक्रम में मुख्य अतिथि श्री शशिकांत द्विवेदी, इफको आमसभा प्रतिनिधि एवं प्रदेश संयोजक, सहकारिता प्रकोष्ठ भारतीय जनता पार्टी, छत्तीसगढ़ तथा विशेष अतिथि श्री विजय ठाकुर, इफको आमसभा प्रतिनिधि उपस्थित थे साथ ही इफको के राज्य विपणन प्रबंधक, श्री आरकेएस राठौर, डॉ एसके सिंह, उप-महाप्रबंधक, (कृ.से.) इफको, श्री राजेश गोले, उप- महाप्रबंधक रायपुर, श्री दिनेश गांधी, उप-प्रक्षेत्र प्रबंधक, दुर्ग, श्री जय नारायण पटेल, राज्य प्रबंधक, कामन सर्विस सेंटर, रायपुर के साथ - साथ छत्तीसगढ़ राज्य से पधारे इफको ड्रोन दीदी/ पायलट, छत्तीसगढ़ राज्य फारमर प्रोडूसर कम्पनी के प्रबंधक, इफको के एस.एफ.ए. के अलावा कृषकगण सहित लगभग 120 प्रतिभागियों की उपस्थिति रही।

सुकमा जिले के कृषक सदस्यों को मिली सहकारिता की जानकारी

सुकमा। छत्तीसगढ़ राज्य सहकारी संघ मर्यादित संभागीय कार्यालय जगदलपुर के तत्वाधान में जिला सुकमा के ग्राम छिंदगढ़ के लैंम्पस भवन में प्रबंधकरिणी वर्ग का आयोजन प्रशिक्षक मितेश पानीग्राही द्वारा दिनांक 24 दिसंबर से 26 दिसंबर 2024 तक किया गया। जिसमें कृषक सदस्य भाइयों को सहकारिता का अर्थ, महत्व ,सिद्धांत, उद्देश्य अध्यक्ष उपाध्यक्ष के कार्य प्रबंधक के कार्य पंजीयन आमसभा ऋणनीति व्यवसाय विकास आदि पर विस्तार से चर्चा दिया गया। जिसमें लैंम्पस प्रबंधक सूर्यकुमार मंडावी लैंम्पस कर्मचारी गण व छत्तीसगढ़ राज्य सहकारी संघ के संपर्क साधक करुणाकर मंडन का सहयोग रहा।

महासमुंद में आदिवासी विकास के नए आयाम, समृद्धि की ओर सशक्त कदम

महासमुंद। महासमुंद जिले में आदिम जाति एवं अनुसूचित जाति विकास विभाग ने आदिवासी और अनुसूचित जाति समुदायों के जीवन स्तर को ऊंचा उठाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। विकसित छत्तीसगढ़ की ओर बढता विष्णु सुशासन के एक वर्ष कार्यकाल के दौरान विभाग ने शिक्षा, आर्थिक सहायता, आवासीय सुविधाओं और अधिकारों के संरक्षण जैसे क्षेत्रों में विभाग ने उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं, जो जिले की समृद्धि और प्रगति की दिशा में मजबूत कदम हैं।

शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान : जिले में 115 छात्रावास और आश्रम संचालित किए जा रहे हैं, जहां 5433 छात्र-छात्राएं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। ग्राम भोरिंग में स्थापित एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय में सीबीएसई पाठ्यक्रम के तहत 417 अनुसूचित जनजाति वर्ग के विद्यार्थियों को आवासीय सुविधा के साथ शिक्षा दी जा रही है। इसके अतिरिक्त, सत्र 2023-24 में 7437 विद्यार्थियों को पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति योजना के तहत 418.14 लाख रुपए वितरित किए गए।

सामाजिक और आर्थिक सशक्तिकरण : अंतर्जातीय विवाह योजना के तहत 36 दंपतियों को 2.50 लाख रुपए प्रति प्रकरण के हिसाब से कुल 90 लाख रुपए की आर्थिक सहायता प्रदान की गई। जिले के 936 पी.व्ही.टी.जी. परिवारों को पहचान और कल्याण योजनाओं से जोड़ते हुए 3032 आधार कार्ड, 2102 बैंक खाते, 1887 आयुष्मान कार्ड, और 3183 राशन कार्ड जारी किए गए। पी.व्ही.टी.जी. आवास योजना के तहत 7 आवासों के निर्माण के लिए 17.50 लाख रुपए स्वीकृत किए गए।

वनाधिकार और सांस्कृतिक संरक्षण : वनाधिकार अधिनियम के तहत 50 व्यक्तिगत और 5 सामुदायिक वन संसाधन अधिकार पत्र वितरित किए गए। इसके अलावा, देवगुड़ी निर्माण योजना के अंतर्गत 40 देवगुड़ियों के निर्माण के लिए 60 लाख रुपए की राशि स्वीकृत हुई। इसी के साथ अनुसूचित जाति एवं जनजाति अत्याचार निवारण योजना के तहत 30 मामलों के लिए 41.25 लाख की सहायता राशि दी गई।

नारायणपुर जिले के बिंजली लेंम्पस में सहकारी प्रशिक्षण संपन्न

नारायणपुर। छत्तीसगढ़ राज्य सहकारी संघ मर्यादित रायपुर के तत्वाधान में आदिवासी सदस्य सहकारी शिक्षा योजनाअंतर्गत नारायणपुर जिले के लेंम्पस बिंजली में सदस्य सहकारी शिक्षा प्रशिक्षण 13 दिसम्बर 24 को संपन्न किया गया।

प्रशिक्षण के दौरान छत्तीसगढ़ राज्य सहकारी संघ मर्यादित रायपुर के संभागीय कार्यालय जगदलपुर से आए जिला सहकारी शिक्षा प्रशिक्षक विवेक पांडे द्वारा उपस्थित ग्रामीण कृषक सदस्यों को सहकारिता का अर्थ महत्व सिद्धांत के साथ-साथ छत्तीसगढ़ सरकार की महत्वाकांक्षा योजना धान खरीदी पर किसानों के पंजीयन से लेकर राशि आहरण तक की व्यवस्था विशेष कर माइक्रो एटीएम से संस्था स्तर से राशि आहरण की जानकारी कृषकों को दी गई। प्रशिक्षण वर्ग में बस्तर जिला सहकारी संघ मर्यादित जगदलपुर के प्रबंधक आम सभा संचालक मंडल का गठन आदि विषय पर चर्चा किया गया वही लेंम्पस के प्रबंधक भूषण कश्यप द्वारा सहकारी ऋण नीति विशेष कर किसान क्रेडिट कार्ड विषय पर ग्रामीण ग्रामीण कृषक को ज्ञान करवाया गया।

धान खरीदी व्यवस्था ने बदली किसानों की किसमत : वर्ग में उपस्थित कृषक श्री भजन दयाल सन्नू राजेंद्र आदि द्वारा द्वारा 3100 में धान खरीदी व्यवस्था से किसानों के जीवन में परिवर्तन लाने की बात कही प्रशिक्षण वर्ग को सफल बनाने में धान खरीदी केंद्र प्रभारी ठनेस चंदेल व कर्मचारियों के साथ-साथ संघ के रोमांचल पाणिग्रही का सहयोग रहा।

डबरी निर्माण से किसान मोहित हुआ आत्मनिर्भर

एमसीबी। छत्तीसगढ़ के मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले के मनेंद्रगढ़ जनपद पंचायत की ग्राम पंचायत महाई के एक छोटे से किसान श्री मोहित/पिता श्री लल्ला की जिंदगी हर बीतते दिन के साथ सूखती फसल की तरह निराशा में घिरता जा रहा था । मोहित के पास तीन एकड़ जमीन तो थी, लेकिन बिना सिंचाई साधन के वह जमीन सिर्फ बारिश की भरोसे पर निर्भर था । हर साल अनिश्चित बारिश और पानी की कमी ने उनके लिए खेती को घाटे का सौदा बना रहा था । जैसे-जैसे फसलें असफल हो रही थीं, मोहित का आत्मविश्वास टूटता जा रहा था। खेती के घाटे ने उन्हें मजबूर कर दिया कि वे अब मजदूरी का सहारा लें।

एक किसान जिसकी जमीन कभी उसके जीवन का आधार थी, अब उसके लिए एक बोझ बन चुका था। लेकिन यह कहानी यहीं खत्म नहीं हुआ। यह कहानी मोहित के संघर्ष और उनकी किस्मत बदलने वाले एक अद्भुत बदलाव की है।

मोहित का बारिश के भरोसे से आत्मनिर्भरता तक का सफर- जब ग्राम पंचायत महाई में जिला प्रशासन ने किसानों की समस्याओं पर ध्यान दिया, तो मोहित की हालत ने अधिकारियों को सोचने पर मजबूर कर दिया। उनकी जमीन को देखकर यह साफ हो गया कि अगर सिंचाई की सुविधा मिल जाए, तो यह जमीन सिर्फ उपजाऊ ही नहीं, बल्कि समृद्धि का साधन बन सकती है। यहीं से शुरू हुआ बदलाव का सफर। मनरेगा योजना के तहत डबरी निर्माण कार्य को स्वीकृति मिली। डबरी निर्माण के लिए 2 लाख 28 हजार रुपए का प्रशासनिक स्वीकृत बजट पास किया गया। लेकिन सिर्फ बजट ही पर्याप्त नहीं था। सही स्थान का चयन, निर्माण सामग्री की उपलब्धता और जल संग्रहण को सुनिश्चित करना, इन सभी चुनौतियों का सामना ग्राम पंचायत महाई और जिला प्रशासन ने किया। विशेषज्ञों की मदद से मोहित के खेत में जलभराव वाली उपयुक्त जगह का चयन किया गया और मनरेगा के माध्यम से निर्माण कार्य शुरू हुआ।

मोहित के साथ-साथ गांव वालों को भी मिला रोजगार- इस डबरी निर्माण कार्य में न केवल मोहित का परिवार लाभान्वित हुआ, बल्कि गांव के कई मजदूरों को भी लाभ मिला । डबरी निर्माण ने पूरे गांव को 100 दिनों का रोजगार दिया । यह काम सिर्फ मोहित की जमीन को सिंचाई योग्य बनाने तक सीमित नहीं रहा, बल्कि यह पूरे समुदाय को सशक्त बनाने की दिशा में भी एक बड़ा कदम था।

जब डबरी का निर्माण पूरा हुआ, तो यह केवल एक जलाशय नहीं था, बल्कि मोहित के सपनों को नया आधार मिला । उनकी जमीन पर अब सिर्फ पानी का इंतजार नहीं था; यह एक ऐसी जमीन बन गई थी, जो सालभर पूरी तरह उपजाऊ होने वाला था ।

इस डबरी ने मोहित को न केवल पारंपरिक फसलों की पैदावार बढ़ाने का मौका दिया, बल्कि उन्हें नए प्रयोग करने का आत्मविश्वास भी दिया। उन्होंने अपनी जमीन पर सब्जी की खेती शुरू की और पहली बार मछली पालन का साहस किया। इस बार उन्हें मछली पालन से 50 हजार रुपए का मुनाफा हो रहा है। वहीं धान की फसल से 40 हजार रुपए की आय हो रहा है।

मोहित कहते हैं कि ÷पहले मैं सिर्फ बारिश के भरोसे रहता था। फसल खराब होती थी, तो हाथ में कुछ भी नहीं बचता था। लेकिन अब मेरे पास अपनी डबरी है। मैं सब्जी और मछली पालन से भी अच्छी आय अर्जित कर रहा हूं। अब मुझे भविष्य के लिए चिंता नहीं बल्कि नई उम्मीदें हैं।

महतारी वंदन योजना महिलाओं को आर्थिक स्वतंत्रता व सामाजिक सशक्तिकरण के अवसर कर रही प्रदान

कोरबा। छत्तीसगढ़ सरकार की महतारी वंदन योजना एक महत्वाकांक्षी पहल है, जो ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों की महिलाओं को आर्थिक स्वतंत्रता और सामाजिक सशक्तिकरण के अवसर प्रदान करती है। जिससे वे स्वावलंबन की पथ पर अग्रसर हो सकें। यह योजना न केवल महिला सशक्तिकरण का प्रतीक बन रही है, बल्कि पूरे समाज के विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

कोरबा नगरीय क्षेत्र के बालको निवासी श्रीमती संतोषी कश्यप, श्रीमती रोशनी बेक, श्रीमती कंचन कंवर, श्रीमती उर्मिला भास्कर सहित अन्य महिलाओं ने महतारी वंदन योजना की सराहना करते हुए कहा कि इस योजना के तहत उन्हें आर्थिक स्वतंत्रता मिली

है, जिससे वे अब अपनी ज़रूरतों को आसानी से पूरा कर पा रही हैं। उन्होंने आगे कहा कि यह योजना न केवल उनके जीवन को बेहतर बना रही है, साथ ही अपने परिवार का भरण-पोषण बेहतर तरीके से कर पा रही है। जो समाज में सकारात्मक बदलाव का कारण बन रहा है। इसी प्रकार पथर्रीपारा निवासी श्रीमती विद्या ध्रुव ने महतारी वंदन योजना से प्राप्त लाभ की जानकारी साझा करते हुए कहा कि इस योजना ने उन्हें स्वावलंबन के सशक्त अवसर प्रदान किए हैं।

नीतू के बुरे दिनों का बड़ा सहारा बनी महतारी वंदन योजना

■ बच्चों की परवरिश के लिए मील का पत्थर साबित हुई

कांकेर। प्रदेश के महिलाओं के लिए महतारी वंदन योजना वरदान साबित हुई है। इस योजना से किसी के जीवन में खुशहाली आई तो किसी के लिए मददगार साबित हुई। वहीं कुछ ऐसी महिलाएं भी हैं, जिनके जीवन में यह मील का पत्थर साबित हुई है। राजापारा वार्ड कांकेर की रहने वाली श्रीमती नीतू यादव के बुरे दिनों में बड़ा सहारा सिद्ध हुई है। उन्होंने बताया कि आज से छह साल पहले उनके पति की मृत्यु सड़क दुर्घटना में हो गई, जिसके बाद जैसे उनके जीवन में मुसीबतों का पहाड़ टूट पड़ा। खुद के वैधव्य जीवन के साथ-साथ तीन बच्चों की परवरिश एक बड़ी जिम्मेदारी थी। परिवार में किसी रिश्तेदार की मदद नहीं मिलने से वह और भी असहाय हो गई। श्रीमती यादव ने बताया कि वह अपने व तीनों बच्चों की परवरिश के लिए घरों में बर्तन, झाड़ू-पोंछा का कार्य करने लगी, जिससे मिला पैसा ऊंट के मुंह में जीरा के समान था। ऐसे में शासन की मदद से उनके बेबस परिवार को सहारा मिल गया। उन्होंने बताया कि उन्हें विधवा सहारा पेंशन योजना एवं महतारी वंदन योजना से एक हजार रूपए प्रतिमाह मिल रहे हैं। दोनों योजनाओं के तहत 500-500 रूपए की राशि हर माह मिल जाती है, जो उनके लिए बहुत बड़ी है। आज उन्हें योजना के तहत 10 किश्तों में राशि मिल चुकी है और जरूरी खर्चों के साथ-साथ कुछ पैसे बचत भी कर लेती हैं। श्रीमती यादव ने प्रदेश के संवेदनशील मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय का आभार मानते हुए प्रदेश सरकार का बारम्बार धन्यवाद देते हुए कहा कि जब उनका परिवार पूरी तरह से बेसहारा हो चला था, तब प्रतिकूल परिस्थिति में यह योजना उनके जीवन में उजाला लेकर आई है।

परम्परागत व्यवसाय को मिली संजीवनी, प्रोत्साहन के बाद कुम्हार रामकुमार की बढ़ी आमदनी

■ पीएम विश्वकर्मा योजना में प्रशिक्षण के साथ रामकुमार को मिला औजार

कोरबा। मिट्टी के घड़े, सुराही, गुल्लक सहित बच्चों के खेल-खिलौने तैयार करने वाले कुम्हार रामकुमार प्रजापति अपने जिस परम्परागत व्यवसाय से जुड़कर पैरों पर खड़े थे, एक दिन तेज आंधी ने उनके पैरों को ऐसा जख्म दिया कि उनका व्यवसाय ही चौपट नहीं हुआ अपितु इस व्यवसाय से किनारा कर सदा के लिए मुख्य मोड़ लेने का भी मन बन गया। समय के साथ मिट्टी के बर्तन तैयार करने वाले कुम्हारों की पूछ-परख न होने और कोई प्रोत्साहन भी नहीं मिलने का दर्द था, जो रामकुमार की कला को हतोत्साहित करता था। कई पीढ़ी से कुम्हारी से ही जीवनयापन करते आए रामकुमार के पास वहीं पुराने चाक और औजार थे, जिसमें उनके दादा-परदादा काम करते आए थे। समय के साथ तैयार नये चाक, औजार खरीदने के लिए रामकुमार का मन तो बनता था, पर आमदनी ही इतनी नहीं हो पाती थी कि वह कुछ नए औजार खरीद सकें और अपने व्यवसाय को फायदेमंद बना सकें। आने वाले दिनों में परम्परागत

व्यवसाय से नाता तोड़ने का मन बना चुके रामकुमार को जब प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना की जानकारी मिली तो मानों उनकी उम्मीदों को पंख लग गए और दम तोड़ती व्यवसाय को संजीवनी। पीएम विश्वकर्मा योजना में आवेदन करने के पश्चात स्टायफंड के साथ प्रशिक्षण भी मिला और पहचान पत्र बनने के साथ इलेक्ट्रानिक चाक और टूल किट भी मिला। इसके साथ ही रामकुमार को बिना गारंटर के एक लाख रूपए तक लोन ले सकने की वह उम्मीद का आधार भी मिला, जिसकी बदौलत वह अपने परम्परागत व्यवसाय को अपनी सुविधा और आवश्यकताओं के हिसाब से खड़ कर सकता है।

कोरबा जिले के पाली विकासखंड के ग्राम मादन में रहने वाले रामकुमार प्रजापति ने बताया कि प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना की जानकारी मिलने के बाद उन्होंने भी आवेदन दिया। उद्योग विभाग से चिन्हांकन और लाइवलीहुड कॉलेज में एक सप्ताह तक आजीविका को बढ़ाने प्रशिक्षण दिया गया। चूंकि अपने व्यवसाय को छोड़कर प्रशिक्षण प्राप्त कर रहा था, इसलिए योजना में प्रशिक्षण के दौरान स्टायफंड की व्यवस्था भी दी। मुझे भी एक सप्ताह प्रशिक्षण के दौरान चार हजार रूपए प्राप्त हुए। रामकुमार ने बताया कि यहा मेरा पीएम विश्वकर्मा योजना का कार्ड भी बनाया गया। इस कार्ड से ऐसा लगा कि आज से मेरी एक नई पहचान बन रही है। उन्होंने बताया कि मैं मिट्टी के घड़े, दीये सहित अन्य बर्तन बनाने के लिए हाथ वाले पुराने चाक का ही इस्तेमाल करता था। इस चाक में बल लगाने के साथ ही घड़े और अन्य पात्र बहुत कम संख्या में बन पाते थे। इलेक्ट्रानिक चाक और अन्य टूल की सहायता से वह जल्दी-जल्दी मिट्टी की सामग्री बना लेता है। इसमें बल भी अधिक नहीं लगता है। उन्होंने बताया कि मुझे बिना गांरटर के एक लाख रूपए तक लोन लेने की सुविधा भी मिली है, और समय पर लोन की राशि जमा कर देने पर तीन लाख तक की राशि लोन में मिल सकती है, ताकि मैं अपने व्यवसाय को आगे बढ़ा सकूं। रामकुमार ने खुशी जताते हुए बताया कि एक बार बाजार में सामान बेचते समय तेज आंधी चली, इस दौरान झोपड़ी टूट जाने से उसका दायां पैर बुरी तरह से चोटिल हो गया और वह तब से ठीक से खड़ा ही नहीं हो पाया। इस बीच अपने व्यवसाय में बहुत अधिक लाभ नहीं मिलने और किसी प्रकार का प्रोत्साहन व संबल नहीं मिलने से भी आने वाले दिनों में इससे नाता तोड़ना चाहता था। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा पीएम विश्वकर्मा योजना लागू किए जाने और परम्परागत व्यवसाय से जुड़े लोगों को प्रोत्साहन दिये जाने से मैं खुद को गौरवान्वित महसूस कर रहा हूं और जीवनयापन के इस माध्यम को उत्साह के साथ करने लगा हूं।

आयुष्मान वय वन्दना कार्ड पंजीयन में धमतरी जिला पूरे प्रदेश में दूसरे स्थान पर

- **जिले में घर-घर पहुंचकर किया जा रहा 70 एंव 70+ आयु वर्ग के वरिष्ठ नागरिकां का पंजीयन**
- **पंजीयन कराने हेतु आधारकार्ड मे मोबाइल नम्बर लिंक अनिवार्य**

धमतरी। जिले में 70 एवं 70+ आयु वर्ग के वरिष्ठ नागरिकां का आयुष्मान वय वन्दना कार्ड पंजीयन कराया जा रहा है। इसके लिए स्वास्थ्य विभाग का अमला जहां ग्राम पंचायतों, ग्राम और शहरों में शिविर लगा रहा है, वहीं शिविर स्थल में नहीं पहुंच पाने वाले वृद्धजनों का घर-घर पहुंचकर आयुष्मान वय वन्दना कार्ड पंजीयन किया जा रहा है। नतीजन धमतरी जिला आयुष्मान वय वन्दना कार्ड पंजीयन में पूरे प्रदेश में दूसरे स्थान पर है। जिले में अब तक 5 हजार 700 से अधिक आयुष्मान वय वंदना कार्ड पंजीयन किया जा चुका है।

बता दें कि आयुष्मान वय वंदना कार्ड पंजीयन के लिए आधारकार्ड मे मोबाइल नम्बर अनिवार्यतः लिंक होना चाहिए। इससे 5 लाख रूपये तक मुफ्त उपचार लाभ की सुविधा प्राप्त की जा सकती है। योजनांतर्गत जिले के सभी वरिष्ठ नागरिको (आधार कार्ड के अनुसार जिनका उम्र 70 या 70 से अधिक हो) को आयुष्मान वय वन्दना कार्ड पंजीयन कार्य, ग्राम, वार्ड, पंचायत स्तर पर लगातार बनाया जा रहा है। धमतरी जिले के सभी वरिष्ठ नागरिको (70 व 70+ आयु वाले) को अपने नजदिकी, किसी भी उप स्वास्थ्य केन्द्र, प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, सिविल अस्पताल कुरुद, नगरी, बोरई, सामु. स्वा. केन्द्र गुजरा, मगरलोड, भखारा, जिला अस्पताल धमतरी, योजना मे पंजकृत किसी भी निजि अस्पताल के चिन्हाकित च्वाइस सेंटर, आधार सेवा केन्द्र मे आधार कार्ड एंव आधार लिंक मोबाइल नबर सहित हितग्राही स्वयं उपस्थित होकर आयुष्मान वय वन्दना कार्ड पंजीयन करा रहे है।

पंजीयन टीम को अनेक पात्र वरिष्ठ नागरिको का आधारकार्ड अपडेट नही होने के कारण, कार्ड पंजीयन करने मे दिक्कत आ रही है। इसके मद्देनजर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.कौशिक ने ऐसे पात्र हितग्राही (वरिष्ठ नागरिक 70-70+) को नजदीकी आधार सेवा केन्द्र मे जाकर अपने आधार कार्ड मे घर या स्वयं का ही कोई एक एक्टीव मोबाइल नम्बर को लिंक कराने कहा गया है, जो कि आगामी 2-4 अथवा 24 घंटे के भीतर अपडेट हो जाता है।

गरीब परिवारों के लिए उम्मीद की किरण साबित हुई प्रधानमंत्री आवास योजना

दुर्ग। प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के अंतर्गत ग्राम पंचायत मचान्दुर की निवासी श्रीमती त्रिवेणी बाई की कहानी संघर्ष और सफलता की मिशाल है। प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) ने त्रिवेणी बाई जैसे परिवारों को न केवल एक घर दिया है, बल्कि उनके जीवन में सुरक्षा, सम्मान और स्थिरता भी प्रदान की है। यह योजना गरीब परिवारों के लिए एक नई उम्मीद की किरण साबित हो रही है। त्रिवेणी बाई का परिवार बेहद गरीबी में जीवन यापन कर रहा था। पति के विकलांग होने के कारण परिवार पर आर्थिक बोझ और भी बढ़ गया था। त्रिवेणी बाई ने बताया कि जीवन यापन के लिए मजदूरी करके अपने परिवार का भरण-पोषण करती थी और घर जुटाने के लिए संघर्ष करती थी। घर कच्चा और जर्जर होने के कारण बारिश के दिनों में छत से पानी टपकने से हर समय डर लगा रहता था कि घर गिर ना जाए, किंतु हमारे मुखिया मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने हम गरीबों का ध्यान रखा और हमें प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत घर बनाने के लिए मदद मिलने से हमारी जिंदगी में रोशनी आ गई। इस योजना की सहायता से हमने एक पक्का और सुरक्षित घर बनाया। अब हम बेफिक्र होकर रहते हैं। मेरा परिवार सुरक्षित महसूस करता है, और हमारे बच्चों को भी बेहतर माहौल मिल रहा है। उन्होंने राज्य सरकार को धन्यवाद देते हुए कहा कि मैं सरकार की बहुत आभारी हूं, जिन्होंने हमारे जैसे गरीब और जरूरतमंद लोगों के बारे में सोचा और हमें एक नई शुरुआत करने का मौका दिया। अब हमें भरोसा है कि हमारा भविष्य बेहतर होगा।

सुशासन की योजनाओं से कविता बनी आत्मनिर्भर, जीवन में आए सकारात्मक बदलाव

- **कौशल विकास और महतारी वंदन योजना से मिली आत्मनिर्भरता की नई राह**

मोहला। श्रीमती कविता बढ़ाई मुख्यमंत्री कौशल विकास योजना और महतारी वंदन योजना ने श्रीमती कविता बढ़ाई के जीवन में एक नई रोशनी लाई है। जिला प्रशासन द्वारा चलाए जा रहे इन योजनाओं से लाभान्वित होकर उन्होंने न केवल अपने कौशल को विकसित किया बल्कि आर्थिक रूप से सशक्त भी बनीं। श्रीमती कविता ने बताया कि पहले वे अपनी रोजमर्रा की जरूरतों को पूरा करने के लिए केवल छोटी-मोटी घरेलू कामकाज करती थीं। लेकिन जब उन्होंने मुख्यमंत्री कौशल विकास योजना के तहत सिलाई कार्य का प्रशिक्षण लिया तब से उनके जीवन में बड़े बदलाव आए। अब वे सिलाई के माध्यम से अतिरिक्त आय अर्जित कर रही हैं जिससे उनके परिवार की आर्थिक स्थिति बेहतर हो रही है। इसके अलावा उन्हें महतारी वंदन योजना के तहत हर महीने एक हजार रुपये की राशि प्राप्त हो रही है। इस राशि का उपयोग वे घर के खर्चों को पूरा करने में करती हैं। इन योजनाओं ने उनके जीवन को न केवल आसान बनाया है बल्कि उन्हें आत्मनिर्भर बनने की दिशा में भी प्रेरित किया है। श्रीमती कविता ने मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय और

जिला प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा इन योजनाओं ने मेरे जैसे लोगों का जीवन बदल दिया है। अब मैं अपने परिवार को बेहतर जीवन देने के लिए प्रयासरत हूं। श्रीमती कविता जैसी महिलाएं जो पहले सीमित साधनों के कारण संघर्ष करती थीं अब सुशासन की इन योजनाओं के माध्यम से अपने जीवन को सफल और आत्मनिर्भर बना रही हैं।

मटनार गांव में महिला सशक्तिकरण की नई मिसाल

- **वनोपज से बदल रही जिंदगी**

जगदलपुर। मटनार गांव में महिला सशक्तिकरण की नई मिसाल वनोपज से बदल रही जिंदगी बस्तर जिले के बकावंड विकासखंड के मटनार गांव में महिला स्व-सहायता समूह की दीदियां अपने मेहनत और लगन से आर्थिक रूप से सशक्त बनने की राह पर हैं। वनोपज संग्रहण और प्रसंस्करण के माध्यम से इन महिलाओं ने न केवल अपनी आमदनी में इजाफा किया है, बल्कि पूरे क्षेत्र में प्रेरणा का स्त्रोत बन गई हैं। रेखा पांडे और उनकी साथी महिलाओं ने अपने गांव और आसपास के हाट-बाजारों में मिलने वाली ईमली और मक्का जैसे उत्पादों के संग्रहण और प्रसंस्करण से अपनी नई पहचान बनाई है। उन्होंने कृषक कल्याण उत्पादक समूह का गठन कर इस काम को संगठित रूप से आगे बढ़ाया है। इस समूह को राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन से डेढ़ लाख रुपये की कार्यशील पूंजी प्राप्त हुई।

इस साल ईमली सीजन में समूह ने 450 क्विंटल ईमली 13.50 लाख रुपये किलो में खरीदी और इसे प्रसंस्कृत कर (फूल ईमली बनाकर) जगदलपुर के व्यवसायियों को बेचा। इस प्रक्रिया से समूह ने 4 लाख रुपये का शुद्ध मुनाफा हुआ है। इस सफलता से उत्साहित होकर समूह की महिलाओं ने अगले साल ईमली संग्रहण बढ़ाने का संकल्प लिया है। महिला समूह केवल ईमली तक सीमित नहीं है। वे मक्का, तिलहन और अन्य कृषि उत्पादों का भी क्रय-विक्रय कर रही हैं। इस प्रयास से समूह की आय में लगातार वृद्धि हो रही है।

राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत बस्तर जिले के सात विकासखंडों में 90 उत्पादक संगठन बनाए गए हैं, जिनसे 2835 सदस्य जुड़ी हुई हैं। इन समूहों को इंफ्रास्ट्रक्चर और कार्यशील पूंजी के लिए फंड मुहैया कराया गया है। परियोजना के तहत किसानों और वनोपज संग्राहकों को उनके उत्पाद का सही दाम दिलाने के लिए प्रयास किए जा रहे हैं। इस पहल से स्थानीय वनोपज संग्राहकों और किसानों को अपने उत्पाद के लिए बाजार मूल्य और वाजिब दाम मिल रहे हैं। इससे उनकी आय में स्थिरता आई है और आजीविका के साधन मजबूत हुए हैं। मटनार की दीदियों का यह प्रयास बताता है कि जब सही संसाधन और दिशा मिले, तो महिलाएं अपनी मेहनत से असंभव को भी संभव बना सकती हैं। उनकी यह कहानी न केवल बस्तर, बल्कि पूरे प्रदेश के लिए प्रेरणा बन चुकी है।

विष्णु की पाती पढ़कर किसानों में विश्वास और उत्साह का हुआ संचार

- **किसानों के प्रति सरकार की सहयोग भावना को दर्शाती विष्णु की पाती – किसान कार्तिक राम**
- **'किसान हितैषी सरकार हमारी खुशहाली एवं समृद्धि के लिए कर रही सतत कार्य– किसान सुख सिंह**

कोरबा। विष्णु की पाती पढ़कर किसानों में एक नई ऊर्जा और खुशी का संचार हुआ है। इस पहल के माध्यम से सरकार ने किसानों से सीधे संवाद स्थापित किया है। जिससे उन्हें यह महसूस हुआ कि सरकार किसानों के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है। इस पहल से न केवल किसानों का मनोबल बढ़ा है, बल्कि यह सरकार और किसानों के बीच विश्वास और सहयोग की एक नई मिसाल भी पेश करती है।

कोरबा विकासखण्ड के भैंसमा में आयोजित किसान सम्मेलन में आज किसानों को मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय का किसानों को संदेश "विष्णु की पाती" दी गई। जिसे पढ़कर अन्नदाताओं में उमंग एवं उत्साह का संचार हुआ। सम्मेलन में आए कृषक प्यारे लाल कंवर, सुखसिंह नगेशिया, कार्तिक राम, धरमनी दास, सुखवार सिंह ने कहा कि सरकार किसान हितैषी है तथा उनकी खुशहाली एवं समृद्धि के लिए सतत कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि सरकार का यह कदम किसानों के प्रति उनकी संवेदनशीलता और सहयोग भावना को दर्शाता है।

किसान कार्तिक राम ने कहा कि विष्णु की पाती पढ़कर हमारा मनोबल बढ़ा है, हम गौरवान्वित महसूस कर रहे हैं कि हमारी सरकार हमारे परिश्रम को समझती है और हमें सम्मान देती है। इस पत्र ने हमें यह महसूस कराया कि हम अकेले नहीं हैं, बल्कि हमे मजबूती प्रदान करने के लिए हमारे साथ प्रदेश का मुखिया खड़ा है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार ने गत वर्ष सुशासन दिवस पर किसानों को धान के दो वर्ष की बकाया बोनस राशि प्रदान की है। इस वर्ष 3100 रुपए के समर्थन मूल्य पर किसानों से उनकी उपज की खरीदी कर रही है। इससे किसान आर्थिक रूप से शसक्त बन रहे है। किसान सुखसिंह नगेशिया ने कहा कि यह हमारे लिए बड़ी खुशी की बात है कि कृषक कल्याण में लगी सरकार विष्णु की पाती के माध्यम से हमसे सीधा संवाद कर रही है। इससे हमें यह अहसास होता है कि सरकार हमारी भलाई के लिए प्रतिबद्ध है।

कृषक प्यारे लाल कंवर ने सरकार के इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि यह कदम किसानों के लिए बेहद सकारात्मक और उत्साहवर्धक है। उन्होंने कहा कि विष्णु की पाती के माध्यम से सरकार ने सीधे किसानों से संवाद स्थापित किया है, जो हमारे लिए एक सुखद अनुभव है। इससे यह साबित होता है कि सरकार किसानों की समस्याओं और जरूरतों को समझने के लिए तत्पर है। और हमे कृषि के उन्नत तरीके अपनाकर उत्पादन बढाने के लिए प्रोत्साहित कर रहे है।

इस प्रकार सभी किसानों में विष्णु की पाती पढ़कर उत्साह और आत्मविश्वास का संचार हुआ है। इस पहल ने उन्हें यह महसूस कराया कि सरकार का समर्थन उनके साथ है जो उनके और मेहनत की सराहना करती है। इस कदम से किसानों में सरकार के प्रति विश्वास बढ़ा है और उन्हें अपने अधिकारों के प्रति आश्वस्त भी किया है।

जल जीवन मिशन से पेयजल की किल्लत से मिली निजात

- **समय की बचत के साथ, स्वास्थ्य समस्या का हुआ समाधान**
- **जल जीवन मिशन एवं स्वच्छ भारत मिशन से बदली जमदेई गांव की तस्वीर**

नाम - गुलाबी ,ग्रामपंचायत-जमदेई,जिला-सूरजपुर

जल जीवन मिशन

सूरजपुर। जिले के विकासखण्ड-सूरजपुर अंतर्गत ग्राम-जमदेई में भारत सरकार की महत्वाकांक्षी योजना जल जीवन मिशन योजना से लागत कुल रु. 74.29 लाख 02 नग 85 कि.ली. क्षमता एवं 35 कि.ली. क्षमता का उच्चस्तरीय जलागार एवं 02 नग 5000 लीटर एवं 5000 लीटर सोलर आधारित योजना से समस्त ग्राम के 526 घरों में जल प्रदाय किया जा रहा है। इस योजना का उद्देश्य हर ग्रामीण परिवारों के घरों में पीने का शुद्ध पेयजल पहुचाना एवं ग्रामो को पूर्ण रूप से हर घर जल प्रमाणित करना। इसी तरह सरकार की एक और योजना स्वच्छ भारत मिशन है जिसका लक्ष्य है गाँव की सम्पूर्ण स्वच्छता ओडीएफ प्लस मॉडल ग्राम बनाना है। इसे भी ग्राम जमदेई में सफलतापूर्वक क्रियान्वित किया जा रहा है।

इस जमदेई गांव में जल जीवन मिशन के आने से पहले ग्रामीण मुख्यतः अपनी पानी की आवश्यकताओं के लिए हैडपम्प एवं कुंओं पर निर्भर थे। जिसका पानी पीने योग्य है या नहीं इसका भी जानकारी ग्रामवासियों को नहीं होता था अतः समय समय पर जल जनित बीमारियों होती रहती थी एवं पानी भरने के लिए महिलाओं को नलकुप (हैडपम्प) से लाईन लग कर भरना पड़ता था। जिससे दिन का काफी समय सिर्फ पानी की व्यवस्था और पानी भरने में लग जाता था। गर्मी के दिनों में हैडपम्प में पानी न आने से ग्राम वासियों के लिए एक बड़ी समस्या बन जाती थी ।

जमदेई के स्कूल पारा निवासी श्रीमती गुलाबी बताती हैं कि पहले हमें पेयजल की बहुत समस्या होती थी, जब से जल जीवन मिशन के माध्यम से हमारे घर में नल लगा है, तब से सुबह शाम दो-दो घंटे दिन में दो बार पानी आता है। जिससे हमारे परिवार के लिए पर्याप्त मात्रा में पानी पीने के लिए उपलब्ध हो रहा है। हम सब ग्रामवासी इस जल जीवन मिशन से काफी ज्यादा खुश है। अब हमें पानी पीने के लिए न ही हैण्डपंप और न ही कुएं का उपयोग करना पड़ता है। जिससे हमारे समय की बचत होती है और हम अन्य कार्य कर लेते है। अपने बच्चो के पालन पोषण में समय दे पाते है। वे तथा सभी ग्रामवासी इसके लिए जल जीवन मिशन, भारत सरकार एवं मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय को धन्यवाद देते है। जल जीवन मिशन के अलावा स्वच्छ भारत मिशन जिसमें की लगभग 6 सालों से ग्राम में कार्य हो रहा था जो अब पूर्ण हो गया है एवं ग्राम ओडीएफ प्लस मॉडल के श्रेणी में आ चुका है।

जिसमें सभी घरों में शौचालय,

महतारी वंदन योजना से जिले की महिलाओं को मिल रहा आर्थिक संबल

कोण्डागांव। महतारी वंदन योजना से जिले की महिलाओं को मिल रहा आर्थिक संबलराज्य शासन की महत्वाकांक्षी महतारी वंदन योजना आज कोण्डागांव जिले की महिलाओं के लिए आर्थिक मजबूती का प्रतीक बन गई है। इस योजना से जरूरतमंद महिलाओं को नियमित आर्थिक सहायता प्राप्त हो रही है, जिससे वे अपने परिवार की छोटी-बड़ी आवश्यकताओं को पूरा कर पा रही हैं। इस योजना ने महिलाओं को आर्थिक आत्मनिर्भरता की ओर प्रेरित किया है।

सातगांव की रहने वाली कलावती पाण्डे के जीवन में इस योजना ने बड़ा बदलाव लाया है। कलावती ने बताया कि उनका परिवार खेती-किसानी पर निर्भर है और उनका पति नहीं है। वे अपने ससुर और बच्चों के साथ रहती हैं। ऐसे में महतारी वंदन योजना के तहत उन्हें प्रति माह एक हजार रुपये की आर्थिक सहायता मिलती है, जिससे उन्हें बड़ी राहत मिल रही है। इस राशि का एक हिस्सा वे घरेलू खर्च में लगाती हैं और बाकी को बचत के रूप में रखती हैं, जो बच्चों के इलाज और अन्य जरूरतों में काम आता है। कलावती ने इस योजना के लिए मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय का आभार व्यक्त किया।

इसी प्रकार सातगांव की ही हलालिन बाई को भी महतारी वंदन योजना का लाभ मिल रहा है। उन्होंने महिलाओं के लिए महतारी वंदन योजना तहत मिल रही आर्थिक सहायता पर खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि सरकार उनके जैसे कई जरूरतमंद महिलाओं के हित में सोच रही है। उन्हें हर महीने मिलने वाली एक हजार रुपये की राशि से उनके दैनिक जीवन में मदद मिल रही है। हलालिन ने कहा कि इस राशि से वे जरूरत के समय साड़ी खरीदने या अन्य घरेलू आवश्यकताओं को पूरा कर पाती हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री श्री साय को धन्यवाद दिया।

महतारी वंदन योजना जिले की कई महिलाओं के लिए मुश्किल समय में एक मजबूत सहारा बनकर उभरी है। महिलाओं को सशक्त और आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में महतारी वंदन जैसी शासन की कई योजनाओं के सकारात्मक परिणाम देखने को मिल रहे हैं, जिससे महिलाएं आर्थिक सशक्तता की ओर अपना कदम बढ़ा रही हैं।

सरकार महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने प्रतिबद्ध : मंत्री वर्मा

- **सरकार महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने और आत्मसम्मान दिलाने प्रतिबद्ध**

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय सरकार का एक वर्ष पूर्ण होने पर राज्य में सुशासन सप्ताह का आयोजन किया जा रहा है। इसके अन्तर्गत महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने और आत्मसम्मान बढ़ाने की दिशा में विधानसभा स्तरीय महतारी वंदन कार्यक्रम का आयोजन बालौदाबाज़ार जिला मुख्यालय में किया गया। समारोह में राजस्व मंत्री श्री टंकराम वर्मा एवं अन्य अतिथियों द्वारा महतारी वंदन योजना के हितग्राहियों का शाल - श्रीफल से सम्मानित किया गया। इसके साथ ही मंत्री श्री वर्मा ने बाल विवाह रोकथाम हेतु उपस्थित जन समूह को शपथ दिलाई।

राजस्व मंत्री श्री वर्मा ने स्तर पर कहा कि सरकार के एक वर्ष पूरा होने पर महिलाओं को सम्मनित करने सभी विधानसभा कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। सरकार मातृ शक्तियों को पहचान दिलाने, आत्मनिर्भर बनाने एवं उनके आत्मसम्मान के लिए कार्य कर रही है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने महिलाओं के सम्मान को सुरक्षित रखने के लिए हर घर में शौचालय निर्माण कराया, पेयजल की सुविधा के लिए जलजीवन मिशन के तहत हर घर नल से जल पहुंच रहा है, प्रधानमंत्री आवास योजना अंतर्गत पक्का मकान एवं प्रधानमंत्री उज्जवला योजना से रसोई गैस मिल रही है। सरकार ने राशन कार्ड में महिलाओं को मुखिया बनाया है। उन्होंने कहा कि अब पंचायतों में महतारी सदन का निर्माण किया जा रहा है जिसमें समूह की महिलाएं बैठक आदि कर सकेंगी। महतारी सदन में पानी बिजली एवं बॉउंड्री वाल की भी सुविधा होगी। इसी तरह सभी गांवों में प्रधानमंत्री आवास के तहत आवास निर्माण का काम तेजी से चल रहा है, जिनको अब तक आवास स्वीकृत नहीं हुआ है, उनके आवास भी जल्द स्वीकृत हो जाएगें। उन्होंने कहा कि महिलाओं की जिम्मेदारी गृहस्थी संभालने के साथ ही बच्चों को संस्कारवान बनाने की है। बच्चे की गलती पर मौन सहमति न दें बल्कि सही रास्ता दिखाएं।

इस अवसर पर जांजगीर-चांपा सांसद श्रीमती कमलेश जांगड़े ने कहा कि सरकार ने अपने किये गए अधिकांश वादा को पूरा कर दिया है। जो काम शेष है उसे भी पूरा करेगी। हमारी सरकार नारी सशक्तिकरण एवं महिला सम्मान को आगे बढ़ा रही है। सरकार के कल्याणकारी योजनाओं से महिलाएं जागरूक हो रही हैं। मातृशक्ति अपनी शक्ति को पहचाने और निरंतर आगे बढ़ें।

सुकुमा। जिला सुकमा के ग्राम हमीरगढ़ के आंगनबाड़ी केंद्र में छत्तीसगढ़ राज्य सहकारी संघ संभागीय कार्यालय जगदलपुर के तत्वावधान में महिलाओं का एकदिवसीय सहकारी प्रशिक्षण का आयोजन प्रशिक्षक मितेश पानीग्राही द्वारा 11 दिसंबर 2024 को किया गया।

सुकुमा। छत्तीसगढ़ राज्य सहकारी संघ संभागीय कार्यालय जगदलपुर के तत्वावधान में जिला सुकमा के ग्राम मारेगा के आंगनबाड़ी केंद्र में महिलाओं का एक दिवसीय सहकारी प्रशिक्षण का आयोजन प्रशिक्षक मितेश पानीग्राही द्वारा दिनांक 12 दिसंबर 2024 को किया गया ।

सुकमा। छत्तीसगढ़ राज्य सहकारी संघ संभागीय कार्यालय जगदलपुर के तत्वावधान में जिला सुकमा के ग्राम लेदा के पंचायत भवन में कृषक भाइयों का सदस्य वर्ग का आयोजन प्रशिक्षक मितेश पानीग्राही द्वारा दिनांक 13 व 14 दिसंबर 2024 को किया गया।

सुकुमा। 7- 18 दिसंबर को छत्तीसगढ़ राज्य सहकारी संघ संभाग के कार्यालय जगदलपुर के तत्वावधान में जिला सुकमा के ग्राम परमारास के पंचायत भवन में कृषक भाइयों का सदस्य वर्ग का आयोजन प्रशिक्षक मितेश पानीग्राही द्वारा किया गया जिसमें कृषक भाइयों को सहकारिता का अर्थ महत्व सिद्धांत उद्देश्य उद्भव और विकास पंजीयन व्यवसाय विकास आदि पर चर्चा दिया गया।

बिहान योजना से कृष्णा सिंह ने संभाला अपना और अपने बच्चों का भविष्य

एमसीबी। बिहान योजना से श्रीमती कृष्णा सिंह ने संभाला अपना और अपने बच्चों का भविष्यबिहान योजना ने छत्तीसगढ़ में महिलाओं को आर्थिक और सामाजिक सुरक्षा के साथ-साथ सशक्त बनाने में एक अहम भूमिका निभा रही है। इस योजना ने केवल महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाया है, बल्कि उनके जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने का काम किया है। जिले के मनेन्द्रगढ़ विकासखंड के डंगौरा निवासी श्रीमती कृष्णा सिंह की प्रेरणादायक कहानी एक मिसाल बनकर उभरी है। उनकी दृढ़ता और मेहनत ने उन्हें एक सफल उद्यमी के रूप में स्थापित कर दिया है, आज कृष्णा सिंह "लखपति दीदी" के नाम से जानी जाती हैं।

कृष्णा सिंह का प्रेरणादायक संघर्ष - श्रीमती कृष्णा सिंह का जीवन पहले आर्थिक तंगी और पारिवारिक जिम्मेदारियों के बीच संघर्ष में बीत रहा था। उनके परिवार की आय का कोई स्थायी स्रोत नहीं था, और परिस्थितियां बेहद कठिन था। इसी बीच उन्हें छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन बिहान योजना के बारे में जानकारी

मिली। उन्होंने इस योजना से जुड़ने का निर्णय लिया, जो उनके जीवन में एक महत्वपूर्ण कदम साबित हुआ।

बिहान योजना से मिली नई दिशा- बिहान योजना के अंतर्गत कृष्णा सिंह ने स्टेशनरी की एक छोटी सी दुकान की शुरूआत की। कठिन परिश्रम और अदम्य इच्छाशक्ति के कारण उनकी दुकान चल पड़ा और उनका आत्मविश्वास पहले से अधिक बढ़ गया। उनके लगातार बैंक से लेन-देन के कारण उनका क्रेडिट स्कोर भी बेहतर हुआ। इससे उन्होंने बैंक से लोन लेकर अपने व्यवसाय को और अधिक विस्तार किया। कृष्ण सिंह के प्रयास और बिहान योजना की सहायता से उनकी आर्थिक स्थिति में उल्लेखनीय सुधार हुआ। आज श्रीमती कृष्णा सिंह की सालाना बचत एक लाख रुपए तक पहुंच गई है। उनका जीवन न केवल आर्थिक रूप से सशक्त हुआ है, बल्कि उनके आत्मविश्वास और सामाजिक प्रतिष्ठा में भी वृद्धि हुई है। उनकी इस सफलता ने क्षेत्र की अन्य महिलाओं को प्रेरणा दी है।

प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री का किया आभार व्यक्त - श्रीमती कृष्णा सिंह ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तथा प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय का विशेष रूप से आभार व्यक्त किया है। उन्होंने बताया कि सरकारी योजनाएं केवल योजनाएं नही होती, बल्कि वे समाज में बदलाव लाने और महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने का अवसर प्रदान करती हैं। हम सब को सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं लाभ अधिक-अधिक उठाना चाहिए। जिससे हम अपने जीवन स्तर को बेहतर बना सकें। अन्य महिलाओं के लिए प्रेरणा स्रोत - श्रीमती कृष्णा सिंह की सफलता की कहानी अन्य महिलाओं के लिए मिसाल बन चुकी है। बिहान योजना से जुड़कर वे न केवल अपनी आर्थिक स्थिति में सुधार की हैं, बल्कि अपने बच्चों का भविष्य भी उज्ज्वल बना रही हैं। यह योजना महिलाओं के लिए वित्तीय स्वतंत्रता प्रदान करती है और उनके आत्मविश्वास को बढ़ाती है, जिससे वे समाज में अपनी एक नई पहचान बना सकें। बिहान योजना वास्तव में महिलाओं के जीवन को संवारने और उनके सपनों को साकार करने का एक सशक्त माध्यम है। श्रीमती कृष्णा सिंह की सफलता इस बात का प्रमाण है कि इच्छाशक्ति और सही मार्गदर्शन के बल पर किसी भी चुनौती को पार किया जा सकता है।

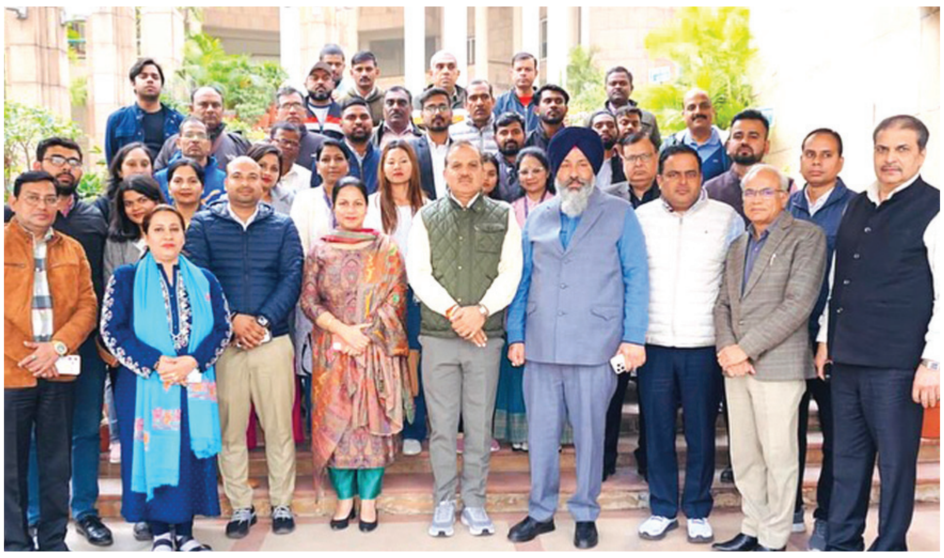

छग राज्य सहकारी संघ के प्रशिक्षकों ने पूर्ण किया एनसीयूआई का 'सहकारी शिक्षा और विकास में डिप्लोमा' का प्रशिक्षण

रायपुर। भारतीय राष्ट्रीय सहकारी संघ (एन.सी.यू.आई) नई दिल्ली द्वारा "सहकारी शिक्षा और विकास में 29 वां डिप्लोमा" 7 अक्टूबर से 22 दिसंबर 2024 तक- 12 सप्ताह आनलाइन व आफ्लाइन मोड पर आयोजित किया गया। प्रशिक्षण में देशभर से 42 प्रतिभागी सम्मिलित हुए। इसी कड़ी में छत्तीसगढ राज्य सहकारी संघ मर्यादित रायपुर के 3 प्रशिक्षकों ने क्रमशः पुरूषोत्तम सोनी, राजेश कुमार साहू, सुरेश कुमार पटेल ने प्रशिक्षण प्राप्त किया।

उक्त प्रशिक्षण में प्रशिक्षकों ने अपने कौशल विकास करने का अवसर प्रदान करने हेतु संघ के प्रबंध संचालक श्री एनआरके चन्द्रवंशी का धन्यवाद ज्ञापित किया है।

प्रतिभागियों ने किया अध्ययन भ्रमण

सहकारी शिक्षा और विकास में 29वें डिप्लोमा के प्रतिभागियों ने क्षेत्र में सहकारी संरचना और कार्यप्रणाली में व्यावहारिक अंतर्दृष्टि प्राप्त करने के लिए पंजाब की अध्ययन यात्रा शुरू की। प्रतिभागियों ने जिला अमृतसर में हर्षा चीना बहुउद्देश्यीय सहकारी समिति का दौरा किया। उन्होंने सोसायटी के प्रतिनिधियों से बातचीत की और सोसायटी की विभिन्न गतिविधियों के बारे में जाना। सोसायटी द्वारा सदस्यों हेतु कृषि आदान सेवाएं समेत घरेलू राशन जैसे घी-तेल-चायपत्ती भी गांव स्तर पर उपलब्ध कराती है।

उन्नति सहकारी विपणन एवं प्रसंस्करण सोसायटी तलवाडा का दौरा

छात्रों ने शिवालिक पहाड़ी में स्थित उन्नति सहकारी विपणन एवं प्रसंस्करण सोसायटी तलवाड़ा का भी दौरा किया। सीईओ रजनी शर्मा और संस्थापक निदेशक श्री स्वामी ने सोसायटी के संचालन के बारे में बताया। प्रतिभागियों ने 5 एकड़ मे फैले संयंत्र का दौरा किया, जहां आंवला जूस, सेब साइडर विनेगर, आंवला कैंडी और अन्य आंवला व फ्रुट आधारित वस्तुओं सहित विभिन्न उत्पादों की पैकेजिंग हो रही थी। फार्मेस्यूटिकल ब्रांड जैसे अपोलो फामेंशी, झंडु, टाटा, ईमामी, डाबर आदि जैसे 50 ब्रांड से अनुबंध कर मेंडिशनल उत्पाद तैयार कर रहें है। उन्नति बहनो द्वारा धरेलु सामाग्री जैसे राशन व सब्जियों की होम डिलिवरी गांव स्तर पर की जा रही है।

वेरका मिल्क प्लांट, होशियारपुर में देखा दूध प्रसंस्करण का सिस्टम

सहकारी डेयरी की कार्यप्रणाली को समझने के लिए प्रतिभागियों ने वेरका मिल्क प्लांट, होशियारपुर का भी दौरा किया। महाप्रबंधक राजेश बंसल ने प्रतिभागियों के साथ मिलकर वेरका दूध और इसके दूध उत्पादों की विविध श्रृंखला की उत्पादन प्रक्रियाओं और बिक्री रणनीतियों पर एक व्यावहारिक जानकारी प्रदान की। प्रतिभागियों ने दूध प्रसंस्करण कार्यो का प्रत्यक्ष निरीक्षण करने के लिए संयंत्र का दौरा भी किया। दूध उत्पाद खीर मेकिग यूनिट का भी अवलोकन किया जाकर व उनका स्वाद चखकर खुब सराहना किए। इसके बाद, प्रतिभागियों ने बजवाड़ा में किसान के ड्रैगन फ्रुट फार्म को अपनाने वाले एनसीयूआई प्रोजेक्ट का दौरा किया। इस यात्रा ने नवीन कृषि पद्धतियों और कृषि में विविधीकरण के बारे में जानने का एक मूल्यवान अवसर प्रदान किया एवं जाना कि कैसे सिविल इंजिनियर ने विदेश में 7 वर्ष नौकरी पूर्ण कर अपने गृह ग्राम आकर खेती प्रारंभ किया एवं सफ्ल हुए।

जालंधर में मार्कफेड पंजाब का दौरा

अध्ययन भ्रमण दल ने जालंधर के मार्कफेड पंजाब का दौरा किया जिसमें उनके द्वारा विपणन कार्य समेत उसकी विनिर्माण इकाई का दौरा किया, जहां सोहना सहकारी ब्रांड के अंतर्गत सरसों का साग की पैकेजिंग का काम चल रहा था। मार्कफेड के प्रबंधक जगदीप सिंह ने प्रतिभागियों को संगठन के इतिहास के बारे मे बताया जिसमें मार्कफेड सन 1954 मे 10 हजार शेयर कैपिटल से शुरू होकर आज 10000 करोड़ के टर्नओवर तक पहुंच गया है। इसके विविधीकरण और व्यापार विस्तार के बारे में जानकारी दी। मार्कफेड पंजाब द्वारा कृषि आदान समेत खाद्य तेल व वनस्पति घी, कैटल फीड, एग्रो कैमिकल, घरेलू राशन की सप्लाई पूरे पंजाब मे की जा रही है साथ वेस्ट वाटर ट्रीटमेंट भी करतें हैं। उनके द्वारा सोहना ब्रांड व मार्कफेड कैनरी (कैन पैक्ड फुड) नाम से उत्पाद भी निर्यात किए जा रहे हैं। सोहना ब्रांड के द्वारा हल्दी, दलिया, हनी ग्रीट्स, चना दाल, काबुली चना, अरहर दाल, गुड, आमला एवं आमला जूस, मसाले (पनीर मसाला, दाल तडका, चना मसाला, मेथी मसाला, मखानी आदि), अचार, एलोवेरा पल्प, टमाटर सास आदि तैयार किए जा रहे हैं।

लांबडा में गंदे पानी का उपचार देखा

लामंडा कांगड़ी बहुउद्देश्यीय सहकारी समिति लांबडा की अपनी यात्रा के दौरान, प्रतिभागियों ने अपशिष्ट जल उपचार संयंत्र, गोबर गैस संयंत्र, बचत बैंक, व्यायाम शाला, फिजियोथेरेपी केंद्र, एम्बुलेंस सेवाओं, एग्रो मशीनरी सर्विसेज, फ्रुट्स एवं वेजिटेबल प्रासेसिंग यूनिट सहित समाज के बहुमुखी कार्यों जैसे गरीब बच्चों की फीस भुगतान करनें की सराहना की। इसके अतिरिक्त प्रतिभागियों ने अपशिष्ट जल उपचार और गोबर गैस संयंत्रों का दौरा किया और समाज की नवीन पर्यावरण और ऊर्जा पहलों के बारे में जानकारी प्राप्त की।

'द नूरपूर बेट' देखकर मिला अच्छा अनुभव

इसके पश्चात द नूरपूर बेट बहुउद्देश्यीय कृषि सहकारी सोयायटी लिमिटेड नूरपूर बेट जिला लुधियाना की अपनी यात्रा के दौरान प्रतिभागियों ने समिति द्वारा संचालित डीजल पंप, हार्डवेयर शाप, कंज्यूमर स्टोर्स, स्प्रेयर पाट्र्स शाप, एग्रो मशीनरी सर्विसेज, जेनरिक मेडीकल स्टोर, ड्रोन सर्विस और लड़कियों हेतु निःशुल्क सिलाई प्रशिक्षण केन्द्र, फर्टिलाईजर व बीज विक्रय शाप, बचत बैंक व बहुत कुछ सहित समाज के बहुमुखी कार्यों की सराहना की। यह समिति अपने सदस्यों को किराना सामान व हार्डवेयर सामान छूट दर पर क्रय करने हेतु छः माही क्रेडिट 40-40 हजार तक सुविधा 10 प्रतिशत ब्याज दर पर उपलब्ध करा रही है।

इसके पश्चात दिल्ली आकर मदर डेयरी की 10 लाख लीटर क्षमता वाली दुग्ध प्रसंस्करण इकाई, कृभको की मिट्टी परीक्षण इकाई, बीज निर्माण व परीक्षण इकाई, एन.सी.डी. सी. के क्रियाकलापों का अध्ययन किया।

मिला व्यावहारिक ज्ञान

इस अनुभवात्मक शिक्षा ने प्रतिभागियों को व्यावहारिक अंतर्दृष्टि प्राप्त करने और सहकारी सिद्धांतों के व्यावहारिक अनुप्रयोग और पंजाब व दिल्ली में विभिन्न सहकारी समितियों द्वारा अपनाए गए अभिनव दृष्टिकोण को देखने में मदद की।

बिहान से जुड़कर रविकुमारी बनी लखपति दीदी

■ आर्थिक मजबूती मिलने से परिवार की बनी धुरी

बिलासपुर। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन से जुड़कर महिलाएं सफ्लता की इबारत लिख रही हैं। राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन योजना से जुड़कर आज जिले की ग्रामीण महिलाओं ने स्वावलंबन की मिशाल पेश कर रही है। इसी के तहत मां सहोद्रा स्व सहायता समूह की उड़गन की रविकुमारी दीदी ने कुछ अलग करने की सोची एवं समूह के माध्यम से सिलाई, सब्जी बाड़ी, ई रिक्शा, सब्जी बिजनेस और थाल पोस बनाने का कार्य करना प्रारम्भ की। इन गतिविधियों से रविकुमारी आज लखपति दीदी बन गई है। वे आज आत्मनिर्भर है। स्वास्थ्य शिक्षा एवं सामाजिक स्थिति में काफी सुधार हुआ है। समूह के अध्यक्ष के रुप में श्रीमती रवि कुमारी टंडन अपने बच्चों को अच्छी शिक्षा दे पा रही है।

बिल्हा ब्लॉक के ग्राम उड़गन की लखपति दीदी रविकुमारी टंडन ने बताया कि इस योजना से अब वह न केवल आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर है बल्कि योजना से मिली राशि का उपयोग करते हुए वे स्वयं का व्यवसाय अपने घर से ही कर रही है। वे कहती है कि स्व सहायता समूह से जुड़ने के बाद महिलाओं का आत्मविश्वास बढ़ा है और इस माध्यम से वे बहुत कुछ सीख रहीं है। जानकारी मिलने के बाद स्व रोजगार स्थापित करने के संबंध में भी मार्गदर्शन मिला। योजना के तहत ऋण राशि स्वीकृत की गई, जिससे उसे अपना व्यवसाय स्थापित करने में मदद मिली। अब उसका परिवार आर्थिक रूप से सशक्तिकरण की ओर बढ़ रहा है।

रविकुमारी अपने बीते हुए दिनों के दिक्कतों को बताते हुए कहती है कि वे पहले केवल कृषि और मजदूरी का कार्य करती थी। एक वर्ष किसानी करने से केवल उनको सालाना 55 हजार ही कमाई हो पाता था जिससे उनके बच्चों के पढ़ाई और घर में आमदनी की तंगी बनी रहती थी। लेकिन समूह से जुड़ने के बाद 3 लाख तक का

नारायणपुर जिले में महिलाओं के बीच सहकारी प्रशिक्षण संपन्न

नारायणपुर। छत्तीसगढ़ राज्य सहकारी संघ मर्यादित रायपुर के संभागीय कार्यालय जगदलपुर एवं बस्तर जिला सहकारी संघ मर्यादित जगदलपुर के संयुक्त तत्वाधान में नारायणपुर जिले के ग्राम गढ़बेगाल के आंगनबाड़ी केंद्र में महिला स्व सहायता समूह की महिलाओं को आदिवासी सदस्य सहकारी शिक्षा योजना अंतर्गत सहकारी प्रशिक्षण कार्यक्रम 27 दिसंबर को संपन्न किया गया।

प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान छत्तीसगढ़ राज्य सहकारी संघ के जिला सहकारी शिक्षा प्रशिक्षक विवेक पांडे एवं बस्तर जिला सहकारी संघ के प्रबंधक सीके द्विवेदी के द्वारा समूह के माध्यम से अपना व्यवसाय कर आय बढ़ाने एवं सहकारिता के अर्थ, महत्व, सिद्धांत के साथ-साथ सहकारी समिति का गठन पंजीयन बैंक लिंकेज आदि पर विस्तार से प्रशिक्षण प्रदान किया गया। प्रशिक्षण वर्ग को सफल बनाने में आंगनबाड़ी कार्यकर्ता श्रीमती श्रीमती शांति मांडवी एवं संघ के श्री रोमांचल पाणिग्रही का सहयोग रहा।

मंगुडु कचोरा में सहकारी प्रशिक्षण का आयोजन

बस्तर। छत्तीसगढ़ राज्य सहकारी संघ के तत्वाधान में आदिवासी सदस्य सहकारी शिक्षा योजना अंतर्गत बस्तर संभाग के आंगनबाड़ी केंद्र मगडू कचोरा में महिलाओं को सहकारिता से समृद्धि विषय में सहायक सरकारी शिक्षा अधिकारी विवेकानंद झा द्वारा दिनांक 18 दिसंबर को सहकारी प्रशिक्षण दिया गया।

प्रशिक्षण में सहकारिता का महत्व सहकारिता का लाभ सहकारिता के माध्यम से समृद्धि प्राप्त करना आय में वृद्धि सीएससी सुविधा के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की गई । महिला बाल विकास से कर्मचारी श्रीमती पुरावती जी द्वारा छोटे बच्चों को पौष्टिक आहार तथा गर्भवती महिलाओं को टीकाकरण के बारे में जानकारी प्रदान किया गया।

किसान गोष्ठी एवं किसान सम्मान कार्यक्रम का आयोजन

रायपुर। 19 को समिति दतरेंगा और सेजबहार जिला रायपुर का किसान गोष्ठी और किसान सम्मान कार्यक्रम संपन्न हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व विधायक श्री नंद कुमार साहू मौजूद रहे।

मुख्य अतिथि के द्वारा नैनो यूरिया प्लस, नैनो डीएपी को खेती में शामिल कर खेती में हो रही दानेदार खाद की कमी को पूरा करने को कहा। साथ ही अध्यक्षता कर रहे सहकार भारती से श्री लक्ष्मीकांत द्विवेदी ने इफ्को के नैनो उत्पाद जो कि नैनो यूरिया प्लस और नैनो डीएपी लाकर जो कृषि के क्षेत्र में काम किया उनकी सराहना की। साथ ही नैनो उत्पाद का उपयोग कर आर्थिक समस्या को दूर करने साथ ही जो हमारी मृदा खराब हो रही है उसको बचाने का आवाह्न किया। सहकार भारती से श्रीमती नीलम सिंह ने ड्रोन दीदी और ड्रोन के बारे में बताते हुए कहा कि, इफको के द्वारा दिए गए ड्रोन से ड्रोन दीदी काफी अच्छा आय कर पा रही है एवं किसानों की सेवा भी कर रहीं। साथ ही महिला समूह को भी अधिक से अधिक आत्मनिर्भर बनने को कहा साथ ही सेजबहार में नुक्कड़ नाटक के द्वारा नैनो उत्पाद के बारे में आए हुए किसान भाईयो और माताओं को जानकारी दी गई।

इस कार्यक्रम में दतरेंगा समिति प्रबंधक श्री जयकुमार सपहा साथ ही सेजबहार समिति प्रबंधक श्री विजय सिंह ठाकुर साथ ही इफको से श्री देवीदयाल यादव, श्री जितेन्द्र सिंह राजपूत, इफको क्लस्टर विलेज योजना तहत रावेली क्लस्टर के संचालक राकेश सोनकर, ड्रोन पायलेट सावत धिवर एवं 90 - 100 किसान उपस्थित रहे।

ग्राम्य विकास में सहकारी समितियों की भूमिका महत्वपूर्ण

नारायणपुर। छत्तीसगढ़ राज्य सहकारी संघ मर्यादित रायपुर के तत्वाधान में आदिवासी सदस्य सहकारी शिक्षा योजनाअंतर्गत नारायणपुर जिले के लेंम्पस बाकुलवाही में सदस्य सहकारी शिक्षा प्रशिक्षण 18 दिसंबर को संपन्न किया गया।

प्रशिक्षण के दौरान छत्तीसगढ़ राज्य सहकारी संघ मर्यादित रायपुर के संभागीय कार्यालय जगदलपुर से आए जिला सहकारी शिक्षा प्रशिक्षक विवेक पांडे द्वारा उपस्थित ग्रामीण कृषक सदस्यों को सहकारिता का अर्थ महत्व सिद्धांत के साथ-साथ छत्तीसगढ़ सरकार की महत्वाकांक्षी योजना धान खरीदी पर किसानों के पंजीयन से लेकर राशि आहरण तक की व्यवस्था विशेष कर माइक्रो एटीएम से संस्था स्तर की राशि आहरण की जानकारी कृषकों को दी गई।

सरकारी योजनाओं की दी गई जानकारी

प्रशिक्षण के दौरान वक्ताओं द्वारा सहकार से समृद्ध हेतु आगामी दिनों में लेंम्पस द्वारा सीएससी सेंटर प्रधानमंत्री जन औषधि केंद्र गैस एजेंसी जैसे महत्वपूर्ण ग्राम विकास के कार्यों को हाथ में लेकर ग्रामीण विशेष कर कृषकों को लाभान्वित करने हेतु भारत सरकार की पहल की जानकारी दी गई। प्रशिक्षण से प्रभावित होकर ग्रामीण कृषक सहकारी सदस्यों द्वारा लेंम्पस से ना जुड़े किसानों को भी सहकारिता से जोडक़र प्रधानमंत्री जी के मंशानुरूप ग्राम के विकास में लेंम्पस के सदस्य के रूप में अपना योगदान देने की

बात कही गई । वर्ग को श्री सी के द्विवेदी प्रबंधक बस्तर जिला सहकारी संघ मर्या जगदलपुर द्वारा भी संबोधित किया गया । वर्ग को सफल बनाने में बाकुलवाही धान खरीदी केंद्र प्रभारी भूषण बघेल व लेंम्पस कर्मचारियों के साथ-साथ रोमांचल पाणिग्राही का सहयोग रहा।

नारायणपुर जिले के माहका में महिलाओं का सहकारी प्रशिक्षण संपन्न

नारायणपुर। आदिवासी सदस्य सहकारी शिक्षा योजनांतर्गत छत्तीसगढ़ राज्य सहकारी संघ मर्यादित रायपुर के संभागीय कार्यालय जगदलपुर में कार्यरत प्रशिक्षक इकाई द्वारा 29 दिसम्बर 2024 को नारायणपुर जिले के ग्राम माहका में एक दिवसीय महिला सहकारी शिक्षा प्रशिक्षण का आयोजन आंगनबाड़ी केंद्र माहका में स्वसहायता समूह की महिलाओ एवं ग्रामीण महिलाओं के बीच संपन्न किया गया।

प्रशिक्षण के दौरान श्री विवेक पांडे जिला सहकारी शिक्षा प्रशिक्षक द्वारा उपस्थित महिलाओं को सहकारिता का अर्थ, महत्व, सिद्धांत के साथ-साथ घरेलू उद्योगो की स्थापना जैसे हल्दी पिसाई, मसाला पापड़ उद्योग के साथ-साथ मछली पालन, गौपालन, बकरी पालन व मुर्गी पालन विषय पर प्रशिक्षण प्रदान कर आर्थिक निर्भरता हेतु प्रेरित किया गया।

सहकारिता समृद्धि का रास्ता

प्रशिक्षण के दौरान स्व सहायता समूह के पदाधिकारी अध्यक्ष श्रीमती अनिता भंडारी एवं धनमती सचिव एवं टिकेश्वरी सदस्य द्वारा सहकारिता के रास्ते को आत्मनिर्भर के साथ-साथ समृद्धि का भी रास्ता माना। प्रशिक्षण को सफल बनाने में आंगनवाड़ी कार्यकर्ता श्रीमती शांति दुग्गा के साथ संघ के रोमांचल पानीग्राही का सहयोग रहा।

समर्थन मूल्य पर धान खरीदी से किसानों में उत्साह

महासमुंद। राज्य शासन की मंशानुरूप जिला प्रशासन महासमुंद द्वारा समर्थन मूल्य पर धान खरीदी योजना के अंतर्गत बेहतर व्यवस्थाएँ सुनिश्चित की गई हैं। जिले के सभी धान खरीदी केन्द्रों में सुगम धान खरीदी के प्रयासों से किसान प्रसन्न हैं। जिले के सुदूर ग्राम जंगलबेड़ा स्थित धान खरीदी केन्द्र में किसानों की सुविधा के लिए बैठक, पेयजल, शौचालय, सीसीटीवी कैमरा, बायोमेट्रिक मशीन, और इलेक्ट्रॉनिक तराजू जैसे प्रबंध किए गए हैं। इन सुविधाओं के चलते किसान बिना किसी कठिनाई के समय पर धान बिक्री कर रहे हैं। ग्राम राजाडीह के किसान सुबरन सिंह बरिहा, जो 55 एकड़ जमीन में कृषि कार्य करते हैं, ने 23 दिसंबर को जंगलबेड़ा धान खरीदी केन्द्र में 240 क्विंटल धान की बिक्री की। इससे पहले वे 40 क्विंटल धान बेच चुके हैं। उन्होंने बताया कि बिक्री के 72 घंटे के भीतर उनके खाते में राशि जमा हो गई, जिससे वे और उनका परिवार बहुत खुश हैं। सुबरन सिंह ने कहा, "इतने कम समय में धान बिक्री की राशि खाते में जमा होना मेरे लिए सपने जैसा था। इससे हमारी मेहनत का सम्मान हुआ है।" उन्होंने 3100 रुपए प्रति क्विंटल की दर से धान खरीदी के निर्णय के लिए मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय का हृदय से धन्यवाद व्यक्त किया।

प्रधानमंत्री जन मन योजना के तहत जिले में विशेष शिविर के जरिए 816 कमार हितग्राहियों का किया गया श्रम पंजीयन

■ श्रम विभाग की अन्य योजनाओं के तहत कुल 50 हजार 156 हितग्राहियों को लाभान्वित किया गया

धमतरी। श्रम विभाग द्वारा प्रधानमंत्री जनमन योजना के तहत् वनांचल क्षेत्र कमार बसाहटों में निवासरत् विशेष पिछड़ी जनजाति कमार हितग्राहियों के कल्याणार्थ विशेष शिविर लगाया गया। जनवरी 2024 से अब तक 62 शिविरों का आयोजन कर कुल 816 कमार हितग्राहियों का श्रम विभाग में पंजीयन किया गया है।

जिले में श्रम विभाग के अंतर्गत 01 जनवरी 2024 से अब तक जिले के सुदूर क्षेत्र एवं विभिन्न ग्रामों/निर्माणी स्थानों पर शिविर के माध्यम से छत्तीसगढ़ शासन के श्रम विभाग के अंतर्गत संचालित विभिन्न श्रमिक हितैषी योजनाओं के अंतर्गत श्रमिकों का पंजीयन, नवीनीकरण/संशोधन कर लाभान्वित किया गया है। इसमें छ.ग. भवन 0अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मंडल के अंतर्गत कुल 29 हजार 548 श्रमिकों का पंजीयन किया गया तथा 30 हजार 153 श्रमिकों का नवीनीकरण किया गया एवं 8016 श्रमिकों का संशोधन किया गया है। इसी प्रकार असंगठित कर्मकार राज्य सामाजिक सुरक्षा मंडल के अंतर्गत कुल 5671 श्रमिकों का पंजीयन, 6597 श्रमिकों का संशोधन किया गया है। असंगठित कर्मकार राज्य सामाजिक सुरक्षा मंडल के अंतर्गत संचालित असंगठित क्षेत्र के कर्मकारों हेतु संचालित विभिन्न योजना के अंतर्गत छात्रवृत्ति योजना के अंतर्गत 2417 छात्र, छात्राओं को लाभ दिया गया, महतारी जतन योजना के अंतर्गत 329 श्रमिकों को लाभांवित किया गया और मृत्यु एवं दिव्यांग सहायता योजना के अंतर्गत कुल 204 हितग्राहियों को लाभांवित किया गया है. जिसमें कुल 2950 हितग्राहियों को कुल दो करोड 92 लाख 79 हजार सीधे उनके खाते में हस्तारित किया गया।

इसी प्रकार छ.ग. भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मंडल अंतर्गत निर्माणी श्रमिकों के कल्याणार्थ संचालित विभिन्न योजना जैसे- मिनी माता महतारी योजना में 2601 हितग्राही, निर्माणी श्रमिक मृत्यु एवं दिव्यांग सहायता योजना में 90 हितग्राही, मुख्यमंत्री नोनी सशक्तिकरण सहायता योजना में 2742 हितग्राही, मुख्यमंत्री नौनीहाल छात्रवृत्ति योजना में 33 हजार 645 हितग्राही, मुख्यमंत्री नोनी बाबू मेधावी शिक्षा प्रोत्साहन सहायता योजना में 386 हितग्राही, निर्माण श्रमिकों के बच्चों हेतु निःशुल्क गणवेश एवं पुस्तक कॉपी सहायता राशि योजना में 10 हजार 574 हितग्राही, मुख्यमंत्री श्रमिक सियान सहायता योजना में 116 हितग्राही, मुख्यमंत्री निर्माण श्रमिक आवास सहायता योजना में 02 हितग्राहियों, इस तरह कुल 50 हजार 156 हितग्राहियों को 19 करोड़ 69 लाख 95 हजार 527 रूपये सीधे उनके खाते में हस्तांतरित किया गया है।

लेंम्पस नारायणपुर में सहकारी शिक्षा प्रशिक्षण संपन्न

नारायणपुर। छत्तीसगढ़ राज्य सहकारी संघ मर्यादित रायपुर के तत्वाधान में नारायणपुर जिले की लेंम्पस नारायणपुर धान खरीदी केंद्र में संभागीय कार्यालय जगदलपुर के प्रशिक्षण इकाई द्वारा लेंम्पस सहकारी संस्थाओं के संचालक सदस्यों का सहकारी प्रशिक्षण 24 दिसंबर को संपन्न किया गया।

प्रशिक्षण वर्ग में सहकारिता के अर्थ, महत्व, सिद्धांत के साथ-साथ संचालक मंडल के अधिकार कर्तव्य प्राधिकृत अध्यक्ष के कार्य व दायित्व के साथ-साथ संस्था में लेखाओं का संधारण आम सभा आदि विषय पर छत्तीसगढ़ राज्य सहकारी संघ मर्यादित रायपुर के जिला सहकारी शिक्षा प्रशिक्षक विवेक पांडे द्वारा प्रशिक्षण प्रदान किया गया। वहीं श्री सीके द्विवेदी प्रबंधक जिला सहकारी संघ द्वारा सहकार से समृद्धि अंतर्गत 54 पहलों पर विस्तार से जानकारी प्रदान की गई। प्रशिक्षण के दौरान लेंम्पस प्रबंधक नारायणपुर श्री भूषण कश्यप द्वारा धान खरीदी व्यवस्था एवं किसान क्रेडिट कार्ड अंतर्गत ऋण व्यवस्था पर विस्तार से ज्ञान कराया गया।

प्रशिक्षण वर्ग को सफल बनाने में धान खरीदी प्रभारी एवं लैंम्पस कर्मचारियों के साथ साथ संघ के रोमांचल पाणिग्रही का सहयोग रहा।

नैसर्गिक सुंदरता के लिए विख्यात जशपुर के मयाली और मधेश्वर पहाड़ की देश-दुनिया में बनी अलग पहचान

रायपुर। नैसर्गिक सुंदरता के लिए विख्यात जशपुर के मयाली और मधेश्वर पहाड़ की देश-दुनिया में बनी अलग पहचाननैसर्गिक सुंदरता के लिए विख्यात जशपुर जिले के पर्यटन स्थल मयाली की देश-दुनिया मे एक अलग पहचान बनते जा रही है। वहीं हाल ही में गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में अपनी जगह बनाने वाले यहां के मधेश्वर पहाड़ ÷लार्जेस्ट नेचुरल शिवलिंग÷ के रूप में जिले का नाम रोशन हो रहा है। जशपुर के बदलती हुई तस्वीर, आज और कल फिल्म का यह मशहूर गाना ये वदियां ये फिज़ाएं बुला रही हैं तुम्हें......ऐसा प्रतीत हो रहा है कि किसी खूबसूरत जगह को निहारने के लिए प्राकृतिक खुबसूरती समेटें हुए यह पहाड़, यह नदियां और वादियों की प्राकृतिक खूबसूरती समेटे जशपुर की खूबसूरत वादियों की पुकारती आवाज अब छत्तीसगढ सहित देश-दुनिया के पर्यटकों को सुनाई दे रही है।

वैसे तो सुरमयी वातावरण, प्राकृतिक छटा से घिरे जशपुर में प्रकृति की खूबसूरती दिखाते अनेकों पर्यटन स्थल है। इसी प्राकृतिक नैसर्गिक सुंदरता के लिए विख्यात मयाली में 22 अक्टूबर को मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय की अध्यक्षता में आयोजित सरगुजा क्षेत्र आदिवासी विकास प्राधिकरण की बैठक ने इसे पुनः चर्चा के केंद्रबिंदु में ले आया। वहीं छत्तीसगढ़ प्रवास पर आई राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु के साथ नवा रायपुर स्थित मुख्यमंत्री निवास में मुख्यमंत्री श्री साय और उनके परिवारजनों व अधिकारियों-कर्मचारियों के साथ हुई एक ग्रंप फोटो जिसके बैकड्रॉप में जशपुर का खूबसूरत मधेश्वर पहाड़ प्रदर्शित था। पूरी दुनिया में फैली इस छायाचित्र ने लोगों को जशपुर की प्राकृतिक सुंदरता की ओर ध्यान खींचा है।

कुनकुरी ब्लॉक में स्थित मयाली जिला मुख्यालय से लगभग 32 किलोमीटर दूरी पर है। जिला मुख्यालय से एनएच-43 सड़कमार्ग से जाते समय चरईडांड चौक पड़ता है। यहां से बगीचा रोड में कुछ ही दूरी पर मयाली नेचर कैंप स्थित है। यहां से सामने दिखाई देती मधेश्वर महादेव पहाड़ को विश्व का प्राकृतिक तौर पर निर्मित विशालतम शिवलिंग की मान्यता मिली है। इस शिवलिंग पर लोगों की बड़ी आस्था है। यहाँ सैलानी दूर-दूर से आते हैं और प्रकृति से अपने आप को जोड़ते हैं। मधेश्वर पहाड़ न केवल धार्मिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है, बल्कि यह पर्वतारोहण और एडवेंचर स्पोर्ट्स के लिए भी लोकप्रिय होता जा रहा है।

मयाली स्वदेश दर्शन योजना में शामिल, 10 करोड़ से होगा पर्यटन के रूप में विकसित

मयाली नेचर कैंप से एक ओर डैम की खूबसूरती तो दूसरी ओर विशालतम प्राकृतिक शिवलिंग मधेश्वर पहाड़ का विहंगम दृश्य दिखाई पड़ता है। चारों ओर फैली हरियाली से इसकी सुंदरता और बढ़ जाती है। मयाली डेम में बोटिंग की भी सुविधा है। भारी संख्या में लोग यहां की खूबसूरती को निहारने के साथ ही बोटिंग का आनंद लेने के लिए भी आते हैं। यहां पर्यटकों के रात्रि विश्राम की सुविधा के लिए रिसॉर्ट बनाएं गए हैं। नेचर कैंप में बटरफ्लाई पार्क के बाद यहां कैक्टस पार्क बनाने की योजना तैयार की गई है। मयाली नेचर कैंप को स्वदेश दर्शन योजना में शामिल करने के साथ ही पर्यटन विभाग ने मयाली के विकास के लिए 10 करोड़ रूपये की स्वीकृति प्रदान की गई है।

मधेश्वर पहाड़ 'लार्जेस्ट नेचुरल शिवलिंग' के रूप में गोल्डन बुक ऑफवर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज हुआ

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के प्रयासों से मधेश्वर पहाड़ को शिवलिंग की विश्व की सबसे बड़ी प्राकृतिक प्रतिकृति के रूप में मान्यता मिली है। इस ऐतिहासिक उपलब्धि को गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में स्थान मिला है। रिकॉर्ड बुक में 'लार्जेस्ट नेचुरल फैक्सिमिली ऑफ शिवलिंग' के रूप में मधेश्वर पहाड़ को दर्ज किया गया है।

जशपुर की पर्यटन स्थलों की जानकारी के लिए पर्यटन वेबसाइट https:// www.easemytrip.com में जगह दी गई है। जशपुर इस पर्यटन वेबसाइट में शामिल होने वाला प्रदेश का पहला जिला बन गया है। इस बेबसाइट के माध्यम से जशपुर की नैसर्गिक खूबसूरती की जानकारी पर्यटकों को आसानी से मिल रही है।

लैम्पस पल्ली समिति के सदस्यों को मिला सहकारी प्रशिक्षण

बस्तर। छत्तीसगढ़ राज्य सहकारी संघ के अधीनस्थ कार्यालय संभागीय कार्यालय जगदलपुर के तत्वाधान में आदिवासी सदस्य सहकारी शिक्षा योजना अंतर्गत बस्तर जिला के आदिम जाति सेवा सहकारी समिति पल्ली में सहायक सहकारी शिक्षा अधिकारी श्री विवेकानंद झा ने सहकारी प्रशिक्षण का आयोजन किया गया।

प्रशिक्षण में प्राधिकृत अधिकारी तथा सक्रिय सदस्यों ने बढ़चढ़ कर भाग लिया। प्रशिक्षार्थियों ने सहकारिता से समृद्धि, समिति के उद्देश्य, लेखा, बैठक का महत्व, अध्यक्ष तथा सदस्यों के अधिकार, कर्तव्य, आमसभा तथा सीएससी सुविधा के बारे में अवगत हुए। समिति के सदस्यों प्रशिक्षण की महत्ता को समझते हुए सहकार से समृद्धि के बारिकियों को भी समझा। श्री झा द्वारा उन्हे सहकारिता के माध्यम रोजगार के अवसर के बारे में भी बताया गया ताकि सदस्यगण सहकारिता के माध्यम से रोजगार प्राप्त कर सके।

लेंपस समिति के प्रबंधक श्री दिनमणी जोशी का कार्यक्रम को सफल बनाने में विशेष सहयोग रहा। कार्यक्रम का समापन 31 दिसंबर 2024 को किया गया।

मुख्यमंत्री साय की पाती पाकर महिलाओं की झलकी खुशी

रायपुर। राज्य सरकार के महत्वाकांक्षी महतारी वंदन योजना के तहत कोरिया जिले की लाभार्थी महिलाएं मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की चिटठी पाकर बहुत खुश हुई। उनके चेहरे में खुशी स्पष्ट रूप से झलक रही थी। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री का पत्र पाकर वे गौरवान्वित महसूस कर रही हैं।

मुख्यमंत्री श्री साय ने अपनी पाती में लिखा कि माताओं-बहनों की खुशहाली ही छत्तीसगढ़ महतारी का असली वंदन है। उन्होंने यह भी बताया कि इस योजना के तहत राज्य में हर महीने 70 लाख से अधिक माताओं-बहनों को लाभ मिल रहा है। यह राशि उनके आत्म-सम्मान और स्वावलंबन को बढ़ावा देने के लिए भेजी जा रही है।

मुख्यमंत्री ने पत्र में यह भी साझा किया कि कई महिलाएं इस राशि का उपयोग अपने परिवार की जरूरतों, बच्चों की शिक्षा या स्वास्थ्य के लिए कर रही हैं। साथ ही, कुछ महिलाएं इस राशि से अपने खुद के व्यवसाय भी शुरू कर रही हैं। उन्होंने सारंगढ़ के 'दानसरा' गांव की महिलाओं का उल्लेख किया,अपने पत्र में करते हुये लिखा है कि दानसरा की महिलाओं ने योजना से मिलने वाली राशि से रामलला का मंदिर निर्माण किया है।

मुख्यमंत्री ने बताया कि जो महिलाएं अपना व्यवसाय बढ़ाना चाहती हैं, उन्हें महतारी शक्ति ऋण योजना के तहत 25 हजार रुपये तक का ऋण उपलब्ध कराया जाएगा। उन्होंने प्रदेश के विकास में महिलाओं की सक्रिय भागीदारी की सरहना करते हुए सभी को आगामी नववर्ष की शुभकामनाएं दीं। गौरतलब है कि राज्य सरकार के एक साल पूरे होने के उपलक्ष्य में मुख्यमंत्री की ओर से महतारी वंदन योजना के लाभार्थी महिलाओं का यह पत्र भेजा गया है।

परिचय-प्रशिक्षण कार्यक्रम : 122 सेवा सहकारी समितियों के प्राधिकृत अधिकारी हुए शामिल

बालोद। जिले के आदिम जाति सेवा सहकारी समितियों में पदस्थ नवीन अशासकीय प्राधिकृत अधिकारियों का विभागीय परिचय, सह प्रशिक्षण कार्यक्रम जिला सहकारी केंद्रीय बैंक मर्यादित दुर्ग, शाखा बालोद के सभागार में सोमवार को जिला सहकारी संघ मर्यादित बालोद द्वारा रखा गया था। जिसमें बालोद जिले के अंतर्गत आने वाले 122 सेवा सहकारी समितियों के प्राधिकृत अधिकारी सम्मिलित हुए।

सर्वप्रथम अतिथियों का स्वागत एवं उद्बोधन हुआ उसके बाद छ.ग. सहकारी सोसायटी अधिनियम 1960 एवं नियम 1962 तथा प्राथमिक कृषि साख सहकारी समितियों के उपविधि का परिचय के बाद प्राधिकृत अधिकारी के अधिकार एवं कर्तव्य (उपविधि क्र.41 के विषय में बताया गया। उपस्थित अधिकारियों को बोर्ड की बैठक बुलाने की रीति एवं बोर्ड के सदस्यों की जानकारी प्राथमिक सेवा सहकारी समिति के कर्मचारियों के सेवानियम 2018 एवं संशोधन 2018 की जानकारी, आमसभा का आयोजन एवं विषय (उपविधि क्र.28, 29, 30,41), की जानकारी सहकारिता विस्तार अधिकारी चंद्र कांत चंद्राकर ने दी समितियों का अंकेक्षण एवं निराकरण सहकारिता के विषय में सअधिनियम की धारा 53 (ख), 58 (ख) की मॉडल बायलॉज का अंगीकरण की जानकारी सहकारिता विस्तार अधिकारी सोमेंद्र साहू ने जानकारी दी। समितियों के द्वारा की जाने वाली गतिविधियां (सहकार से समृद्धि की नवीन योजनाएँ की जानकारी), समितियों का कम्प्यूटराइजेशन, धान खरीदी की प्रक्रिया की जानकारी सहकारिता विस्तार अधिकारी गणेश जोशी ने दी है। अंत में आभार व्यक्त करते हुए कार्यक्रम का समापन हुआ। उपस्थित सभी प्राधिकृत अधिकारियों को समितियों के सहकारी सोसाइटी अधिनियम की जानकारी दी गई। वरिष्ठ सहकारिता निरीक्षक उमाशंकर शर्मा ने कहा समिति को डिफाल्टर नहीं रखना हैं, बैंक लोन व अन्य लोन समय पर अदा हो इसका ध्यान प्राधिकृत अधिकारियों को रखना होगा।

बालोद जिले की 122 समितियां कंप्यूटरीकृत हुई : जोशी

सहकारिता निरीक्षक गणेश जोशी ने बताया- बालोद जिले की 122 समितियां पूर्ण रूप से कंप्यूटरीकृत हो गया है जो राज्य में पहला है। उन्होंने बताया, ग्राम पंचायत में बहुउद्देश्यीय सहकारी समितियों का गठन किया जाएगा और जिलों में 437 ग्राम पंचायत है जो सभी समितियों को जोड़ती है है। अब बिजली बिल का भुगतान समितियों में होगा उससे समिति को अतिरिक्त आय होगा। सह प्रशिक्षण कार्यक्रम में नवनियुक्त अशासकीय प्राधिकृत अधिकारियों ने धान उठाव नहीं होने पर चिंता व्यक्त को करते हुए जिला विपणन अधिकारी के साथ चर्चा करते हुए समिति से जल्द ही धान उठाव करने के विषय में चर्चा की।

ये रहे उपस्थित

बालोद जिला सहकारी संघ मर्यादित बालोद द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में उप आयुक्त सहकारी संस्थाएं आरपी राठिया, सहायक आयुक्त पी के मेश्राम, जिला सहकारी बैंक नोडल अधिकारी सीआर रावटे, वरिष्ठ सहकारिता निरीक्षक उमाशंकर शर्मा, सहकारिता विस्तार अधिकारी गणेश जोशी, सोमेंद्र साहू, डोमेन्द्र हिरवानी, चंद्रकांत चंद्राकर, मनोज नेताम, सहकारिता निरीक्षक प्रदीप भालेकर, वर्षा बंसोड़, जिला सहकारी संघ प्रबंधक श्रीमती स्नेहलता साहू, वेद प्रकाश साहू लिपिक उपस्थित रहे।

छत्तीसगढ़ और ओडिशा में है पर्यटन की अपार संभावनाएं : वनमंत्री कश्यप

■ वन मंत्री भुवनेश्वर में आयोजित टूरिज्म कॉन्क्लेव में हुए शामिल

रायपुर। वन मंत्री श्री केदार कश्यप ने कहा है कि छत्तीसगढ़ और ओडिशा को भगवान श्री जगन्नाथ के आशीर्वाद से अकुत खनिज संपदा और प्राकृतिक सौन्दर्य का उपहार मिला है। दोनों ही राज्यों में पर्यटन के क्षेत्र में अपार संभावनाएं हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की मंशा के अनुरूप दोनों ही राज्यों में पर्यटन को बढ़ावा दिया जा रहा है। वनमंत्री श्री कश्यप आज आज ओडिशा के भुवनेश्वर में आयोजित एक निजी समाचार चैनल के कार्यक्रम 'चलो देखें अपना देश' टूरिज्म कॉन्क्लेव को सम्बोधित कर रहे थे।

वनमंत्री श्री कश्यप ने कॉन्क्लेव में छत्तीसगढ़ और ओडिशा के बीच सामाजिक, सांस्कृतिक और व्यावसायिक रिश्तों को भी रेखांकित करते हुए कहा कि भगवान श्री जगन्नाथ के आशीर्वाद से ओडिशा और छत्तीसगढ़ राज्य प्राकृतिक सौन्दर्य से परिपूर्ण है। दोनों ही राज्यों में अनेक महत्वपूर्ण धार्मिक पर्यटन स्थल हैं और दोनों राज्यों के बीच 'रोटी-बेटी' का रिश्ता है। श्री कश्यप ने कहा कि जगन्नाथपुरी में वर्षों से बस्तर बाड़ा है। जहां छत्तीसगढ़ के श्रद्धालु भगवान श्री जगन्नाथ के दर्शन के लिए आते है और वहां ठहरते है। उन्होंने कहा कि देश में बहुत से आकर्षक पर्यटन स्थल हैं। इन क्षेत्रों में दोनों की राज्यों में पर्यटन सुविधाएं बढ़ाने का काम किया जा रहा है। ओडिशा में देश का सबसे खूबसूरत समुद्र तट है, तो छत्तीसगढ़ में बस्तर का दशहरा विश्व प्रसिद्ध है। इन दोनों ही राज्यों के पर्यटन प्रेमी इन स्थानों पर आकर पर्यटन का आनंद ले सकते हैं। गौरतलब है कि यह कार्यक्रम ओडिशा में पर्यटन को प्रोत्साहित करने और स्थानीय स्थलों के महत्व को उजागर करने के उद्देश्य से इस कॉन्क्लेव का आयोजन किया गया था।

कार्यक्रम में ओडिशा की उपमुख्यमंत्री श्रीमती प्रावति परिदा, विधायक श्री पुरंदर मिश्रा, पद्मश्री उत्सव चरण दास और श्री जे.के. मोहंती सहित ओडिशा राज्य के पर्यटन विभाग के अधिकारी और बड़ी संख्या में गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

पारदर्शिता और निष्पक्षता से जारी है वनरक्षकों की भर्ती : वनमंत्री कश्यप

■ पारदर्शिता और निष्पक्षता से जारी है वनरक्षकों की भर्ती

रायपुर। वनमंत्री श्री केदार कश्यप ने कहा है कि राज्य में वनरक्षकों की भर्ती प्रक्रिया पूरी पारदर्शिता और निष्पक्षता के साथ चल रही है। उन्होंने कहा है कि राज्य में भर्ती प्रक्रिया को लेकर सभी व्यवस्थाएं चुस्त-दुरूस्त करने और इस प्रक्रिया से जुड़े अधिकारियों को सजग रहने को कहा है। जिसके परिपालन में वन विभाग द्वारा 1,484 पदों के लिए सीधी भर्ती के तहत शारीरिक मापजोख और दक्षता परीक्षण प्रक्रिया में अत्याधुनिक तकनीकों और सुव्यवस्थित व्यवस्थाओं का उपयोग करते हुए निष्पक्ष चयन सुनिश्चित किया गया है, जिसकी उम्मीदवारों द्वारा सराहना की जा रही है। उम्मीदवारों ने बताया कि वन विभाग द्वारा अपनाई गई यह पारदर्शी और अत्याधुनिक प्रक्रिया न केवल भर्ती प्रक्रिया में निष्पक्षता और पारदर्शिता की मिसाल पेश करती है, बल्कि सुशासन के आदर्शों को भी मजबूती प्रदान करती है।

उल्लेखनीय है कि वनरक्षक पदों के लिए शारीरिक मापजोख और दक्षता परीक्षण विगत 16 नवंबर से प्रारंभ है। इन परीक्षणों में उम्मीदवारों की ऊंचाई और सीने की माप के साथ-साथ 200 मीटर और 800 मीटर दौड़, लंबी कूद, और गोला फेंक जैसे इवेंट शामिल हैं। उम्मीदवारों के प्रदर्शन का मूल्यांकन सटीक समय और दूरी के आधार पर किया जा रहा है। इसी तरह भर्ती प्रक्रिया में आधुनिक तकनीकों का उपयोग किया गया है। पात्र उम्मीदवारों को बीआईबी नंबर एवं इलेक्ट्रॉनिक चिप प्रदान की जाती है। यह इलेक्ट्रॉनिक चिप उम्मीदवारों की दौड़ के दौरान सटीक समय दर्ज करती है। लंबी कूद और गोला फेंक के लिए लेजर-आधारित मशीनों का उपयोग किया जा रहा है। सभी आंकड़े तुरंत केंद्रीय सर्वर पर दर्ज किए जा रहे हैं। जिससे डेटा प्रबंधन में पारदर्शिता सुनिश्चित हो रही है। इसके अतिरिक्त सीसीटीवी कैमरे और चेहरे की पहचान प्रणाली (फेशियल रिकग्निशन सिस्टम) पूरी प्रक्रिया की निगरानी करते हैं। उम्मीदवारों को उनके स्कोर मौके पर ही बताए जाते हैं, जिस पर उनके हस्ताक्षर लिए जाते हैं। किसी भी विवाद की स्थिति में, सीसीटीवी फुटेज दिखाकर समस्या का समाधान किया जा रहा है।

प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं वन बल प्रमुख श्री वी. श्रीनिवास राव ने बताया कि मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के मंशानुरूप और वन मंत्री श्री केदार कश्यप के नेतृत्व में विभाग निष्पक्षता और पारदर्शिता के साथ भर्ती प्रक्रिया संचालित करने के लिए प्रतिबद्ध है। तकनीकी नवाचारों और सख्त दिशा-निर्देशों का पालन करते हुए यह प्रक्रिया न केवल कुशल है बल्कि उम्मीदवारों के विश्वास को भी मजबूत करती है। उन्होंने बताया कि भर्ती प्रक्रिया की देखरेख वन मंडलाधिकारी और 140-150 वन कर्मचारियों की टीम द्वारा की जा रही है। स्कूल शिक्षा विभाग के फिजिकल ट्रेनिंग इंस्ट्रक्टर्स को भी भर्ती प्रक्रिया की देखरेख के लिए विशेषज्ञ के रूप में शामिल किया गया है। उम्मीदवारों की सुविधा का विशेष ध्यान रखा गया है, जिसमें पीने का पानी, ओआरएस, प्राथमिक उपचार किट, स्वच्छ शौचालय, चेंजिंग रूम, सामान रखने की व्यवस्था, पार्किंग और मेडिकल सहायता शामिल हैं। बीमार या अन्य कारणों से अनुपस्थित उम्मीदवारों के फिटनेस टेस्ट के लिए रिजर्व दिन भी रखा गया है।

अटल जी के सुशासन के आदर्शों के अनुरूप छत्तीसगढ़ को संवारने के लिए हम सभी दृढ़संकल्पित : सीएम साय

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने आज भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय श्री अटल बिहारी वाजपेयी के जन्म दिवस पर कुनकुरी के सलियाटोली में आयोजित अटल सुशासन समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि आज हम सबके श्रद्धेय नेता, छत्तीसगढ़ के निर्माता, भारत रत्न, पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय श्री अटल बिहारी वाजपेयी जी का शताब्दी जयंती वर्ष है। हम यह वर्ष अटल निर्माण वर्ष के रूप में मना रहे हैं।

अटल जी की जयंती हम सब सुशासन दिवस के रूप में मनाते हैं। आज छत्तीसगढ़ अपनी रजत जयंती मना रहा है और भारत के नक्शे में 26 वें राज्य के रूप में उभरा है तो इसके पीछे अटल जी की दूरदर्शी सोच थी। छत्तीसगढ़ की जनता से किया गया वायदा न केवल अटल जी ने निभाया अपितु नये राज्य को संवारने के लिए हर संभव मदद भी की।अटल जी ने छत्तीसगढ़ राज्य में विकास की जिस तरह परिकल्पना की थी उसके अनुरूप हम छत्तीसगढ़ को संवारने में जुटे हुए हैं। उन्होंने जो सुशासन के आदर्श हमारे समक्ष रखे हैं उन पर चलते हुए हमने प्रशासन के हर स्तर पर डिजिटल गवर्नेंस को अपनाया है। सुशासन के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए हमने सुशासन एवं अभिसरण विभाग का गठन किया है। अटल मानिटरिंग एप, सिंगल विंडो सिस्टम 2.0, ई-आफिस, सुगम एप, संगवारी एप जैसे नवाचारों के माध्यम से हम डिजिटल गवर्नेंस को हर स्तर पर अपना रहे हैं। इससे प्रशासन में पारदर्शिता सुनिश्चित हुई है। अटल जी की चिंता किसानों के प्रति थी। छत्तीसगढ़ बनने के बाद हमने धान खरीदी का बढ़िया माडल बनाया। आज छत्तीसगढ़ के किसानों को धान का सबसे ज्यादा मूल्य मिलता है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि महिला सशक्तिकरण के लिए हम हर महीने एक हजार रुपए 70 लाख माताओं-बहनों के खाते में दे रहे हैं। एक साल के भीतर ही हमने माओवादियों को उनके सबसे सुरक्षित समझे जाने वाले इलाकों से खदेड़ दिया। अब माओवाद अंतिम सांसें ले रहा है। इससे बस्तर में विकास की नई राह खुली है। पीएम जनमन योजना एवं नियद नेल्ला नार जैसी योजनाओं के माध्यम से जनजातीय क्षेत्रों में खुशियों की लहर आई है। नई उद्योग नीति के माध्यम से हमने ढाई लाख करोड़ रुपए निवेश का लक्ष्य रखा है इससे पांच लाख लोगों के लिए रोजगार की संभावनाएं बनेंगी।

मुख्यमंत्री श्री साय ने इस अवसर पर कुनकुरी और जशपुर में ऑडिटोरियम निर्माण, कुनकुरी नगर के विकास के लिए 5 करोड़ रूपए, कुनकुरी इंडोर स्टेडियम के लिए 20 लाख रूपए, ग्राम पंचायत नारायणपुर ओघेश्वर आश्रम में दो प्रवेश द्वार निर्माण, तपकरा तहसील में लिंक कोर्ट की स्थापना, हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी सलियाटोली में सामुदायिक भवन निर्माण के लिए 25 लाख रूपए एवं बार एसोसिएशन कुनकुरी में फर्नीचर, पुस्तकालय के लिए 25 लाख रूपए प्रदान करने की घोषणा की।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कार्यक्रम में अटल बिहारी वाजपेयी जी की जन्मशताब्दी के पुनीत अवसर पर आयोजित "अटल सुशासन समारोह" में जशपुर जिले के स्पेशल लोगो, वार्षिक प्रगति पत्रक, जशप्योर कैलेंडर और जशपुर के पर्यटन स्थलों के कैलेंडर का विमोचन किया। साथ ही पीएम आवास योजना (ग्रामीण) और पीएम जनमन आवास योजना के लाभान्वित हितग्राहियों को उनके नवनिर्मित आवास की चाबी सौंप कर बधाई दी। उन्होंने अटल सुशासन समारोह में शासन के विभिन्न विभागों की उपलब्धियों पर आधारित स्टाल्स का अवलोकन कर हितग्राही मूलक योजनाओं के अंतर्गत लाभार्थियों को हितग्राहीमूलक सामग्री प्रदान की।

इस अवसर पर विधायक श्रीमती गोमती साय और रायमुनी भगत, मुख्यमंत्री की धर्मपत्नी श्रीमती कौशल्या साय, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती शांति भगत, कृष्ण कुमार राय, नगर पालिका उपाध्यक्ष श्री राजेश गुप्ता, रामप्रताप सिंह, यश प्रताप सिंह जूदेव, सुनील गुप्ता, रोहित साय सहित अन्य जनप्रतिनिधि और बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित थे।

आमसभा संपन्न : छग राज्य सहकारी संघ ने प्रदेश में सहकारिता को मजबूत करने समेत लिए कई निर्णय

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य सहकारी संघ मर्यादित रायपुर की 19 वीं वार्षिक आमसभा 30 दिसम्बर 2024 को न्यू सर्किट हाउस सिविल लाइन रायपुर में संपन्न हुई। छत्तीसगढ़ राज्य सहकारी संघ द्वारा प्रस्तुत वित्तीय वर्ष 2023-24 की वार्षिक रिपोर्ट, आय-व्यय पत्रक, वित्तीय वर्ष 2025-26 का बजट और प्रस्तुत कार्ययोजना की कार्यावली को सर्वसम्मति से आमसभा में स्वीकृति दी गई। इसके साथ ही वित्तीय वर्ष 2022-23 के वार्षिक लेखा विवरणी, अंकेक्षित ऑडिट रिपोर्ट को भी आमसभा में पारित किया गया। वित्तीय वर्ष 2025-26 के लेखाओं का अंकेक्षण हेतु संपरीक्षक के नियुक्ति का भी निर्णय लिया गया।

आमसभा में आभार प्रदर्शन छत्तीसगढ़ राज्य सहकारी संघ के मुख्य कार्यपालन आधिकारी व अंकेक्षण अधिकारी उप आयुक्त रायपुर पीसी ध्रुव द्वारा किया गया।

जिला पंचायतों में भेजेंगे सहकारी समाचार

आमसभा में प्रतिनिधियों के सुझाव अनुसार संघ द्वारा प्रकाशित छग सहकारी समाचार को सभी सहकारी संस्थाओं में वितरित करने और सहकारिता को गांव-गांव तक पहुंचाने के लिए सभी जिला पंचायतों में सहकारी समाचार भेजने के संबंध में भी निर्णय लिया गया।

शिक्षा-प्रशिक्षण की जिम्मेदारी बखूबी निभा रहा संघ : दोशी

आमसभा को संबोधित करते हुए अपर आयुक्त सहकारिता एचके दोशी ने कहा कि, संघ ने अपने उद्देश्य के अनुरूप शिक्षा-प्रशिक्षण की अपनी जिमेदारी को बखूबी निभाया है। हजारों लोगों ने समय-समय पर विभिन्न विषयों में शार्ट टर्म प्रशिक्षण का लाभ लिया है। 16 सप्ताह का डिप्लोमा इन कोऑपरेटिव मैनेजमेंट आनलाइन कोर्स भी संघ द्वारा चलाया गया। विगत वर्ष शार्ट टर्म और डिप्लोमा कोर्स से कुल 4960 लोग लाभान्वित हुए। डिप्लोमा इन कोऑपरेटिव मैनेजमेंट आनलाइन कोर्स में कुल 129 प्रशिक्षणार्थी तो लाभान्वित हुए ही हैं, साथ ही साथ प्राप्त फीस से संस्था की आय में भी वृद्धि भी हुई है।

ये अतिथि भी रहे मौजूद

कार्यक्रम में पंजीयक प्रतिनिधि व अपर आयुक्त सहकारिता एसके दोशी, संयुक्त आयुक्त डीपी टावरी, सचिव मार्कफेड भूपेन्द्र ठाकुर, प्रतिनिधिगण लखन लाल साहू, संदीप श्रीवास्तव, हरीश तिवारी, मतस्य महासंघ से पीके भारती, जिला संघों के प्रतिनिधियों में श्रीमती मंजूषा तिवारी, श्रीमती स्नेहलता साव, पीके सान्डिल्य सहित, एनकुमार साहू संघ के प्रबंध संचालक व उप आयुक्त एनआरके चन्द्रवंशी, मुख्य कार्यपालन अधिकारी पीसी ध्रुव आदि शामिल थे। वार्षिक आमसभा को संपन्न करने में छग राज्य सहकारी संघ के अधिकारी व कर्मचारियों का सहयोग रहा।

स्वामी छत्तीसगढ़ राज्य सहकारी संघ मर्यादित रायपुर द्वारा प्रकाशक एवं मुद्रक छग राज्य सहकारी संघ रायपुर द्वारा मयंक ऑफसेट रायपुर से मुद्रित कराकर छत्तीसगढ़ राज्य सहकारी संघ मर्यादित 16, पार्क स्ट्रीट-3, चौबे कालोनी रायपुर से प्रकाशित।
संपादक मंडल- विवेकानंद झा (प्रधान संपादक), विवेक पांडे (संपादक), फोन- 0771-4061702, 4031702, 4035702. वेबसाइट www.cgcoop.in E-mail: cgcoopnews@gmail.com